मौसम आज

तापमान
न्यूनतम - 27 डि.से.
अधिकतम - 39 डि.से.

दैनिक दिव्य संवाद

RNI No. MPHIN/25/A4421

वर्ष 01 अंक: 127 | उज्जैन शनिवार दिनांक 13 जून 2026 ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष तृयोदशी संवत् 2083 | पृष्ठ: 8 मूल्य : 02 रूपये

न्यूज गैलरी

सीआईएसएफ तैयार करेगा पांच हजार साइबर कमांडो, गृह मंत्रालय का बड़ा प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीआईएसएफ ने 5,000 साइबर कमांडो तैयार करने के लिए एक खास साइबर सिक्योरिटी ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किया है। इसका मकसद जवानों की साइबर क्षमताओं को बढ़ाना है, ताकि वे भविष्य में आने वाले डिजिटल खतरों और चुनौतियों का असरदार तरीके से सामना कर सकें। यह एडवांस्ड कोर्स आठ जून को चेन्नई में आईआईटी मद्रास प्रवर्तक में शुरू हुआ और अगले छह हफ्तों तक चलेगा। इस कार्यक्रम में सीआईएसएफ के 35 जवानों का पहला बैच हिस्सा ले रहा है। सीआईएसएफ ने बताया कि छह हफ़्ते के इस कोर्स के दौरान प्रशिक्षण लेने वालों को नेटवर्क और क्लाउड कंप्यूटिंग, डिजिटल फोरेंसिक, साइबर खतरों की पहचान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, घटना पर प्रतिक्रिया और कानूनी ढांचे जैसे अहम क्षेत्रों में गहन ट्रेनिंग दी जाएगी। सीआईएसएफ ने कहा है कि वह अपने कर्मियों की तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है और गृह मंत्रालय के तहत इंडियन साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर की देशव्यापी क्षमता-निर्माण पहल में सक्रिय रूप से योगदान दे रही है।

जहां था महाराणा प्रताप का गुप्त शस्त्रागार, उस मायरा की गुफा में भीषण गर्मी में भी बह रहे झरने

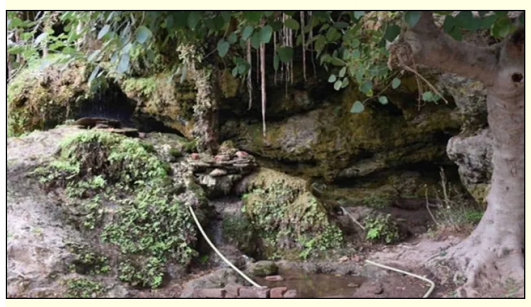

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में जहां भीषण गर्मी के चलते अधिकांश जलस्रोत सूखने लगे हैं, वहीं महाराणा प्रताप की ऐतिहासिक शस्त्रागार रही मायरा की गुफाओं में इन दिनों प्राकृतिक झरने बह रहे हैं। अरावली की पहाड़ियों के बीच स्थित यह स्थल इतिहास और प्रकृति का अनूठा संगम प्रस्तुत कर रहा है, जिससे पर्यटकों और इतिहास प्रेमियों का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। हल्दीघाटी क्षेत्र के निकट स्थित मायरा की गुफाओं का उपयोग महाराणा प्रताप ने अपने संघर्षकाल में शस्त्रागार और रणनीतिक केंद्र के रूप में किया था। दुर्गम और सुरक्षित स्थान होने के कारण यहां हथियारों का भंडारण किया जाता था तथा सैन्य गतिविधियों का संचालन होता था। आज भी गुफाओं के भीतर और आसपास चट्टानों से पानी रिसने के कारण छोटे-छोटे झरने बहते रहते हैं, जिससे गर्मी के मौसम में भी यहां का वातावरण अपेक्षाकृत ठंडा बना रहता है। इतिहास और प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध यह स्थल पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि पहुंच मार्ग, सुरक्षा, सूचना पट्ट और अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित कर मायरा की गुफाओं को मेवाड़ के प्रमुख ऐतिहासिक एवं इको-टूरिज्म केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सकता है। इससे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

मणिपुर में नहीं रुक रही हिंसा, उग्रवादियों की गोलीबारी में दो की मौत; कई घर फूंके

नई दिल्ली (एजेंसी)। संदिग्ध उग्रवादियों ने मणिपुर के कामजोंग जिले में एक गांव में दो व्यक्तियों की गोली मारकर हत्या कर दी। उग्रवादियों ने कई घरों में आगजनी भी की। कांगपोकपी जिले में नगा समुदाय के छह लोगों के क्षत-विक्षत शव बरामद होने के एक दिन बाद यह हमला हुआ है। आशंका है कि शव उन लोगों के हैं जिन्हें 13 मई को सशस्त्र समूहों ने बंधक बना लिया था। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने गुरुवार को कहा कि मणिपुर सरकार अत्याचारों को मूकदर्शक बनकर नहीं देखेगी। दोषियों को कानून के अनुसार सजा दी जाएगी। पुलिस ने बताया कि भारत-म्यांमार सीमा के पास कामजोंग जिले के कुलतुह कुकी गांव में तड़के करीब 4:55 बजे उग्रवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। इस गोलीबारी में दो ग्रामीणों की मौत हो गई। 30 घरों को भी आग के हवाले किया गया। कुकी बैपटिस्ट कन्वेंशन ने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निर्णायक कदम उठाने की अपील की है। लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गौरव गोगोई ने नगा समुदाय के छह लोगों के शव मिलने के मामले में निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की और कहा कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उन्हें बिना किसी देरी के सजा दिलाई जानी चाहिए। आईएएनएस के अनुसार शव मिलने को लेकर यूनाइटेड नागा काउंसिल (यूएनएसी) द्वारा बुलाए गए 24 घंटे के बंद के कारण गुरुवार को मणिपुर के नागा-बहुल इलाकों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

शिक्षा केंद्रों के निकट छेड़छाड़ की घटनाएं न हों, महिलाओं की सुरक्षा के प्रति गंभीर रहें - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बदलते दौर में पुलिस बल को नई चुनौतियों से निपटने के लिए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे। अपराधों के अन्वेषण का दायित्व निभाने वाले विवेचना अधिकारियों को अन्वेषण भत्ता भी मिले, इस दृष्टि से अन्य राज्यों में लागू व्यवस्थाओं का अध्ययन किया गया है। इस क्षेत्र में अपराध स्थल पर त्वरित पहुंच, सुरक्षा व्यवस्था, साक्ष्य संकलन, अभियुक्त गवाह और पीड़ित के परिवहन, भोजन आदि के साथ फोटोग्राफी -वीडियोग्राफी, डिजिटल साक्ष्य संग्रह, न्यायलीन प्रक्रिया से जुड़े आकस्मिक खर्च देखते हुए मध्यप्रदेश में अन्वेषण भत्ता लागू किए जाने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में निर्देश दिए कि पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूत रहे, इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर आरक्षक स्तर तक सजगता और सक्रियता से भूमिका निभाई जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में गृह विभाग की समीक्षा में कहा कि सायबर अपराधों की बढ़ती संख्या को देखते हुए गृह विभाग द्वारा आईटी कंसल्टेंट की सेवाएं लेने का कार्य प्राथमिकता से किया जाए। बैठक में सिंहस्थ- 2028 के लिए भीड़ प्रबंधन, कानून व्यवस्था, वीआईपी सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और आपदा प्रबंधन के उद्देश्य से आवश्यक पुलिस बल की व्यवस्था पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ की दृष्टि से विभिन्न कंट्रोल रूम तथा अन्य व्यवस्थाओं को इस तरह पूर्ण किया जाए ताकि उनका स्थाई महत्व और प्रभाव रहे। उज्जैन में अनेक बाबा महाकाल मंदिर सहित देव स्थान हैं। सभी व्यवस्थाओं को तात्कालिक के स्थान पर स्थायी अधोसंरचना के रूप में विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बसंत पंचमी और हाल ही में भोजशाला से संबंधित प्रसंग में पुलिस बल की सजग सक्रिय भूमिका के लिए वरिष्ठ अधिकारियों और फोर्स के अन्य सदस्यों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस द्वारा किए जा रहे नवाचार सराहनीय हैं। राज्य को नक्सल मुक्त बनाने, आपदा मित्रों को प्रशिक्षित करने, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, अन्य विभागों के सहयोग से सुगम परिवहन सुनिश्चित करने, अग्निशमन इकाईयों को सहयोग, एयर एम्बुलेंस के उपयोग में सहयोग, सैनिक कल्याण प्रयासों को बढ़ाने के कार्य सराहनीय हैं। इसके साथ ही खुले स्थानों में मांस विक्रय पर प्रतिबंध और तेज ध्वनि में स्पीकर आदि के प्रयोग को नियंत्रित करने के निर्देशों का भी निरंतर पालन किया गया है। यह व्यवस्थाएं सुचारू बनी रहें, इसके लिए विभाग का अमला सक्रिय रहे।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन वर्चुअली शामिल हुए। अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) श्री नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव गृह श्री संजय कुमार शुक्ल, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा, एडीजी श्री ए. साई मनोहर सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में मध्यप्रदेश पुलिस चयन और भर्ती बोर्ड के गठन की पहल, सायबर अपराधों, सोशल मीडिया आधारित गतिविधियों और अपराधों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआई) के बढ़ते दुरूपयोग के प्रभावी विशलेषण के लिए राज्य सायबर सेल ने विशेषज्ञों की सेवाएं प्राप्त करने के संबंध में विचार किया गया। इसके साथ ही काउंटर टेररिस्ट ग्रुप की संरचना और बल में वृद्धि, राज्य स्तरीय उन्नत प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से एटीएस,एसटीएफ, हॉक फोर्स और अन्य विशिष्ट इकाईयों के लिए क्षमता संवर्धन प्रबंध, जिला स्तर पर सीन ऑफ क्राइम मोबाइल इकाई के संचालन के प्रावधान, वीवीआईपी ड्यूटी में तैनात अधिकारी-कर्मचारियों को विशेष भत्ता देने, एआई का प्रयोग कर सेफगार्ड एमपी प्रणाली के माध्यम से बुजुर्गों, कमजोर व्यक्तियों, महिलाओं की सुरक्षा के लिए देश में एक नई तरह की पहल करने के संबंध में भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रमुख निर्देश- पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति सुदृढ़ रहे, इसके लिए वरिष्ठ अधिकारी मुस्तैद रहें।

शिक्षा केंद्रों के निकट छेड़छाड़ की घटनाएं न हों, महिलाओं की सुरक्षा के प्रति गंभीर रहें।

पीएनबी अधिकारियों के खिलाफ नहीं मिले भ्रष्टाचार के सबूत, CBI जांच में बड़ा मोड़

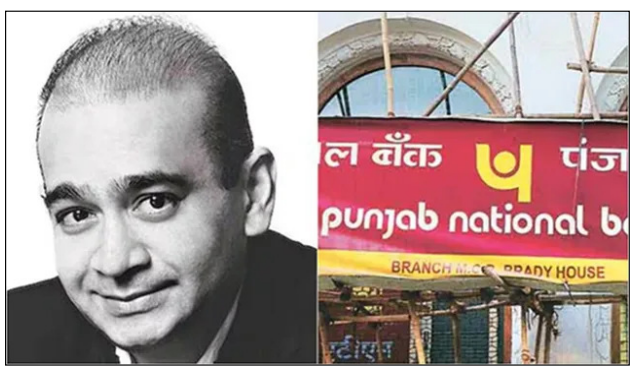

नई दिल्ली (एजेंसी)। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में सीबीआइ को पीएनबी के अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के कोई ठोस सबूत नहीं मिले हैं। इसके बाद विशेष सीबीआई अदालत ने मामले को सुनवाई के लिए मजिस्ट्रेट कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया।

यह मामला पीएनबी के मुंबई जोनल कार्यालय की शिकायत पर नीरव मोदी, उससे जुड़ी कंपनियों के निदेशकों और बैंक के अज्ञात अधिकारियों के खिलाफ दर्ज किया गया था।

शिकायत में आरोप लगाया गया था कि नीरव मोदी की फर्मों ने बैंक की क्रेडिट सुविधाओं का दुरुपयोग कर पीएनबी को 321.88 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया।

बैंक की आंतरिक जांच में नीरव मोदी की साझेदारी फर्मों- सोलर एक्सपोर्ट्स, स्टेलर डायमंड्स, डायमंड्स आर यूएस, फायरस्टार इंटरनेशनल लिमिटेड (एफआइएल) और फायरस्टार डायमंड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (एफडीआइपीएल) – के बीच संदिग्ध वित्तीय लेनदेन और धन के सर्कुलर प्रवाह के संकेत मिले थे।

मामले में शुरुआत में आइपीसी की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) और 420 (धोखाधड़ी) के अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(2) के तहत भी केस दर्ज किया गया था।

हालांकि जांच के दौरान बैंक अधिकारियों की संलिप्तता के पर्याप्त प्रमाण नहीं मिलने पर सीबीआई ने केवल निजी व्यक्तियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करने का फैसला किया।

एसीएस होम संजय प्रसाद को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, हाईकोर्ट के आदेश पर लगी रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (होम) संजय प्रसाद को बड़ी राहत दी है। इसने गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसमें संजय प्रसाद के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणियां की गई थीं। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा था कि फैसले की एक प्रति कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग को भेजी जाए, ताकि भविष्य की नियुक्तियों के संबंध में उस पर विचार किया जा सके। यह पूरा मामला जून 2025 में लापता हुई एक नाबालिग लड़की की बरामदगी से जुड़ी एक हैबियस कार्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका से शुरू हुआ था।

मुंबई के झुग्गी-बस्ती पुनर्विकास क्षेत्र में रिलायंस भी उतरा, मुकेश अंबानी ने हासिल किया बड़ा प्रोजेक्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी के रिलायंस समूह ने पश्चिम मुंबई में 101.40 एकड़ के झुग्गी बस्ती के पुनर्विकास से जुड़ी बोली जीत ली है।

इसके साथ ही कंपनी ने उस क्षेत्र में कदम रखा है, जहां उसकी प्रतिद्वंद्वी कंपनी अदाणी समूह पहले से ही एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्तियों में से एक धारावी का पुनर्विकास कर रही है।

इस टेंडर के लिए धातु क्षेत्र की दिग्गज कंपनी जेएसडब्ल्यू और बड़े कारोबारी समूह शापूरजी पलोनजी समूह ने भी बोलियां लगाई थीं।

मुंबई स्थित स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी ने बुधवार देर रात बताया कि रिलायंस 4आईआर रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड के नेतृत्व वाले एक कंसोर्टियम ने अंधेरी में जुहू गली स्लम क्लस्टर के लिए बोली जाती है।

अथॉरिटी ने कहा कि इस प्रोजेक्ट से जुहू गली में रहने वाले पात्र लोगों को 28 हजार से ज्यादा घर मिलने की उम्मीद है। मुंबई में झुग्गी बस्ती पुनर्विकास का काम पहले स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी के तहत मध्यम आकार के डेवलपर्स करते रहे हैं, लेकिन जमीन के बिखरे हुए मालिकाना हक और निवासियों की सहमति लेने की ज़रूरत के कारण अक्सर प्रोजेक्ट में देरी होती रही है।

भारतीय नौसेना ने टैंकर से बरामद किया बिना फटा मिसाइल वारहेड, सुरक्षित तरीके से किया गया नष्ट

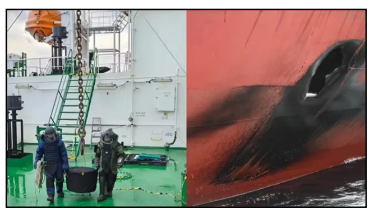

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना ने केरल के तट की तरफ आ रहे कच्चे तेल के टैंकर से बिना फटे मिसाइल वारहेड को बरामद कर उसके सुरक्षित निस्तारण का बेहद मुश्किल अभियान पूरा कर लिया है।

एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि पिछले महीने ओमान के तट के नजदीक इस तेल टैंकर ने विस्फोट की सूचना दी थी और उसके बाद कोच्चि की तरफ बढ़ा था।

बेहद खतनाक इस अभियान की सफलता के साथ नौसेना ने साबित किया है कि वह विस्फोटक नष्ट करने में कितनी निपुण है। वह समुद्री क्षेत्र में मुश्किल हालात से निपटने के लिए विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल और तकनीकी विशेषज्ञता में भी सक्षम है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाला टैंकर 'एमटी ओलंपिक लाइफ' संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह बंदरगाह से कोच्चि आ रहा था, तभी 26 मई को ओमान के तट के पास उसके निचले हिस्से में धमाके की सूचना मिली। इस टैंकर पर कोई भी भारतीय नागरिक सवार नहीं था। प्रवक्ता ने बताया कि कोच्चि की ओर अपनी यात्रा जारी रखते हुए जहाज ने बिना फटे वारहेड के होने की सूचना दी।

यूपी-बिहार में तूफान और वज्रपात का कहर, 16 की मौत; दिल्ली समेत 16 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने आज दिल्ली-एनसीआर समेत देश के 16 राज्यों में तेज आंधी, ओलावृष्टि और मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी किया है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, जम्मू कश्मीर, मध्य प्रदेश और झारखंड सहित 16 राज्यों में मौसम विभाग ने येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

यूपी में वज्रपात में 16 लोगों की मौत- पश्चिम विक्षोभ के चलते उत्तर भारत में गुरुवार को अचानक मौसम ने करवट ली। उत्तर प्रदेश और बिहार में तेज आंधी-पानी और वज्रपात से 16 लोगों की मौत हो गई। जिनमें बिहार में 10 लोगों की जान गई, जबकि एक ही परिवार के चार लोगों समेत 10 झुलस गए।

पहाड़ों पर हुई ओलावृष्टि- उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में हिमपात, मैदानों में वर्षा और ओलावृष्टि से तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

यूपी में देवरिया में वज्रपात की चपेट में आने से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। उरई के कोटरा क्षेत्र में खेत में मवेशी चरा रहे 32 वर्षीय गोविंद की मौत हो गई।

अलीगढ़ में आंधी के दौरान सीमेंट फैक्ट्री के एक सिक्योरिटी गार्ड की बैरियर गिरने से जान चली गई, जबकि बरेली में तेज आंधी के दौरान सोलर पैनल गिरने से घायल व्यक्ति ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

बिहार में वज्रपात में कई मौत- बिहार में जान गंवाने वालों में खगड़िया जिले के पांच, मधेपुरा में दंपती और भागलपुर, सहरसा, भोजपुर एवं जमुई के एक-एक व्यक्ति शामिल हैं। सरस्वती नगर गांव में वज्रपात से खेत में काम कर रहे व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि 10 लोग झुलस गए, जिनमें एक ही परिवार के चार सदस्य शामिल हैं।

मधेपुरा जिले के परेल गांव में वज्रपात की चपेट में आने से खेत में काम कर रहे शंभू मंडल व उनकी पत्नी कविता देवी की मृत्यु हो गई। भोजपुर जिले के कौंरा गांव में तेज आंधी और वर्षा के दौरान टिन शेड उड़कर अंगूरा देवी के ऊपर गिर गया, जिससे उनकी मौत हो गई।

उत्तराखंड में ताजा पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है। कई जिलों में अंधड़ के साथ तेज वर्षा व ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। चारधाम यात्रियों को मौसम की जानकारी लेकर ही यात्रा करने की सलाह दी गई है।

हिमाचल में कई स्थानों पर गुरुवार को वर्षा व हिमपात के कारण अधिकतम तापमान में गिरावट आई है। रोहतांग, कुंजुम और बारालाचा में हल्का हिमपात हुआ।

पीएचई रिकॉर्ड रूम पर गिरा पेड़, एक सप्ताह बाद भी नहीं हटा मलबा

एक सप्ताह बाद भी नहीं हटा मलबा बारिश से पहले नहीं हुई छत की मरम्मत तो खराब हो सकता है वर्षों पुराना रिकॉर्ड, नगर निगम से की थी शिकायत

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। देवास गेट स्थित पीएचई कार्यालय परिसर में तेज हवाओं के दौरान गिरा पुराना पेड़ अब विभाग के लिए परेशानी का कारण बन गया है।

पेड़ की बड़ी शाखा रिकॉर्ड रूम की छत पर गिरने से पतरे की छत क्षतिग्रस्त हो गई है। विभाग ने पेड़ हटाने के लिए नगर निगम को शिकायत की थी, लेकिन एक सप्ताह बीतने के बाद भी पेड़ और शाखाएं परिसर से नहीं हटाई गई हैं। पीएचई विभाग के अधिकारियों के अनुसार तेज हवा के कारण पुराना पेड़ गिर गया था।

इसकी एक बड़ी शाखा रिकॉर्ड रूम पर आ गिरी, जिससे छत के पतरे टूट गए। इसके बाद विभाग ने नगर निगम को सूचना देकर गिरे हुए पेड़ को हटाने का आग्रह किया था, लेकिन अभी तक कार्रवाई नहीं हुई है।

बारिश हुई तो रिकॉर्ड को नुकसान का खतरा...

रिकॉर्ड रूम में विभाग की कई वर्षों पुरानी फाइलें और महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे हुए हैं। क्षतिग्रस्त छत की मरम्मत नहीं होने और पेड़ नहीं हटाए जाने से बारिश के दौरान पानी अंदर जाने का खतरा बना हुआ है।

इससे पुराने रिकॉर्ड और फाइलें खराब हो सकती हैं। विभाग का कहना है कि बारिश शुरू होने से पहले पेड़ हटाना और छत की मरम्मत करना जरूरी है, ताकि रिकॉर्ड को सुरक्षित रखा जा सके। अब पीएचई विभाग नगर निगम की कार्रवाई का इंतजार कर

नए साल के स्वागत के लिए बोहरा समाज कर रहा तैयारियां

15 जून को धर्मगुरु डॉ सैयदना आली कदर मुफद्दल सैफुद्दीन लंदन में वाअज फरमाएंगे

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। दाऊदी बोहरा समाज का नया साल मिसरी कैलेंडर के अनुसार 1448 हिजरी सन् 15 जून सोमवार से शुरू होगा। नए साल की आमद से पहले समाज के घर-घर ड्राई फ्रूट व व्यंजनों के थाल सजाएं जाएंगे। इसकी तैयारियां बोहरा बाखलों में शुरु हो गई है। मोहर्रम माह की पहली तारीख को दाऊदी बोहरा समाज में नया साल मनाने की परंपरा है।

मोहर्रम माह की दूसरी तारीख से दाऊदी बोहरा समाज की हर मस्जिद में धर्मगुरु की रजा मुबारक से उनके प्रतिनिधि वाअज करेंगे। समाज के कुतुब फातेमी ने बताया कि दाऊदी बोहरा समाज मोहर्रम की 10 तारीख 24 जून को आशुरा के दिन अपना संपूर्ण कारोबार बंद रख मस्जिद में 1400 साल पहले पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब सल्लल्लाहो अलैहे वालेही वा सल्लम के नवासे इमाम हुसैन एवं उनके परिवार एवं रिश्तेदारो पर किए गए जुल्म-सितम के बयान किए जाएंगे। आशुरा का दिन बोहरा समाज के लिए सबसे बड़ा गम का दिन होता है। इस दिन समाजजन इमाम हुसैन के गम में मातम कर अपने गम का इजहार करेंगे।

लंदन से वाअज फरमाएंगे धर्मगुरु....

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बोहरा समाज के 53वें धर्मगुरु डॉ सैयदना आली कदर मुफद्दल सैफुद्दीन लंदन में मोहर्रम के 9 दिन इमाम हुसैन के गम में वाअज फरमाएंगे, जो समय-समय पर ऑडियो-वीडियो के जरिए उज्जैन में सभी बोहरा मस्जिदों में दिखाया एवं सुनाया जाएगा। सभी समाजजन आधे दिन कामकाज से छुट्टी लेकर वाअज में शामिल होंगे।

चुटकी भर नमक से शुरू करेंगे सेलिब्रेशन....

बोहरा समाज में चुटकी भर नमक से शुरू किया जाता है भोजन। माना जाता है कि नमक आपके गट और पैलेट को साफ रखता है और कई बीमारियों से बचाता है। बोहरा समुदाय में लोग पांचों उंगलियों का इस्तेमाल कर ही भोजन करते हैं। समाज में मीठा खाकर ही बिस्मिल्ला किया जाता है। थाल में मौजूद मिठाई या डेजर्ट को मिठास कहते हैं, फिर स्टार्टर्स और मेन कोर्स खाया जाता है।

अंबोदिया फिल्टर प्लांट की मोटर बिगड़ी, पुराने शहर में पानी का संकट गहराया

तीन दिन से पर्याप्त नहीं भर रहीं टंकियां, कई इलाकों में कम प्रेशर से पहुंच रहा पानी

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। भीषण गर्मी के बीच शहर की पेयजल व्यवस्था एक बार फिर लड़खड़ा गई है। अंबोदिया फिल्टर प्लांट की बड़ी मोटर में खराबी आने से पुराने शहर के कई इलाकों में जलापूर्ति प्रभावित हो गई है। स्थिति यह है कि पिछले तीन दिनों से पानी की टंकियां निर्धारित स्तर तक नहीं भर पा रही हैं, जिसके कारण उपभोक्ताओं को कम प्रेशर से पानी मिल रहा है।

कई क्षेत्रों में लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिलने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार शहर में पानी की उपलब्धता को लेकर कोई संकट नहीं है। गंभीर बांध में पर्याप्त जल भंडारण मौजूद है और नर्मदा परियोजना से भी नियमित सप्लाई हो रही है। इसके बावजूद तकनीकी खामियों और रखरखाव में लापरवाही के कारण जल वितरण व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

नगर निगम के जल प्रदाय तंत्र की सबसे महत्वपूर्ण इकाइयों में शामिल अंबोदिया फिल्टर प्लांट की बड़ी मोटर पिछले तीन दिनों से ठीक ढंग से काम नहीं कर रही है। मोटर की क्षमता घटने से पंपिंग प्रभावित हुई है, जिसके चलते पानी टंकियों तक पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पा रहा। परिणामस्वरूप कई क्षेत्रों में जलापूर्ति का दबाव कम हो गया है।

स्थानीय रहवासियों का कहना है कि सुबह और शाम दोनों समय पानी का प्रेशर सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम है। कई घरों में ऊपरी मंजिलों तक पानी नहीं पहुंच रहा, जिससे लोगों को अतिरिक्त इंतजाम करने पड़ रहे हैं।

अधिकारियों का दावा- जल्द सुधरेगी स्थिति....

नगर निगम के अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह के अनुसार अंबोदिया फिल्टर प्लांट की बड़ी मोटर में तकनीकी खराबी आई है। विशेषज्ञों की मदद से मरम्मत कार्य कराया जा रहा है और एक-दो दिन में व्यवस्था पूरी तरह सामान्य होने की उम्मीद है।

इंदिरानगर में तीन दिन से बह रहा पानी....

शहर के इंदिरानगर क्षेत्र में भी पेयजल व्यवस्था की लापरवाही सामने आई है। यहां मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजना के तहत नाला निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार कंपनी द्वारा खुदाई करते समय पाइपलाइन क्षतिग्रस्त कर दी गई थी।

पाइपलाइन फूटने के बाद से लगातार हजारों लीटर पानी सड़कों पर बह रहा है, लेकिन तीन दिन गुजरने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका। शुक्रवार को पीएचई विभाग के कर्मचारियों ने पाइपलाइन की मरम्मत शुरू की, लेकिन सवाल यह है कि जल संरक्षण की बात करने वाले जिम्मेदार विभाग इतने लंबे समय तक पानी की बर्बादी रोकने में क्यों नाकाम रहे।

जल संकट के बीच तबादलों की चर्चा....

इधर जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित होने के बीच शासन ने नगर निगम के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग में तबादले भी किए हैं। कार्यपालन यंत्री वैभव भावसार का स्थानांतरण मंदसौर कर दिया गया है, जबकि उनकी जगह देवास से अमित सिंह को उज्जैन पदस्थ किया गया है। इसके अलावा उपयंत्री आशीष जाट, रिद्म शाह, मनोज टिकलकर और प्रदीप बामनिया के भी तबादले हुए हैं।

आशीष जाट और रिद्म शाह को उज्जैन में पदस्थ किया गया है, जबकि मनोज टिकलकर को देवास और प्रदीप बामनिया को मंदसौर भेजा गया है।

लोगों के सवाल बरकरार....

शहर में पर्याप्त जल स्रोत उपलब्ध होने के बावजूद बार-बार तकनीकी खराबियों और रखरखाव की कमजोर व्यवस्था से जलापूर्ति प्रभावित होना नगर निगम और पीएचई विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। गर्मी के इस मौसम में यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो आने वाले दिनों में लोगों की परेशानी और बढ़ सकती है।

रोज छा रहे बादल, लेकिन बरस नहीं रहे, गर्मी से बेहाल लोग

बादलों के कारण दिन का पारा गिरा, लेकिन रात का तापमान 27 डिग्री के पार पहुंचा

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। शहर के आसमान पर रोजाना बादलों की आवाजाही हो रही है, लेकिन पानी नहीं बरस रहा। बादलों के कारण दिन का तापमान 40 डिग्री के नीचे आ गया है, लेकिन रात का पारा चढ़ गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि रविवार से शहर में एक बार फिर बारिश का दौर शुरू हो सकता है। कल भी बादलों के कारण दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार सुबह से भी बादलों के कारण धूप की आंख-मिचौनी चलती रही।

वेधशाला स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक कल दिन का अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री ज्यादा, लेकिन परसों की अपेक्षा 1.1 डिग्री कम था, वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3 डिग्री और कल की अपेक्षा 0.2 डिग्री ज्यादा था। इस दौरान हवाओं की दिशा पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी रही। हवाओं की अधिकतम रफ्तार 8 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंची।

वेधशाला अधीक्षक डॉ. आरपी गुप्त के मुताबिक शहर में रविवार से हल्की बारिश शुरू होने की संभावना है। बारिश का यह दौर लगातार जारी रहेगा। इस बीच मानसून भी उज्जैन में आमद दे सकता है। इसके कारण तापमान में कमी आएगी और लोगों को गर्मी के साथ ही जलसंकट से भी मुक्ति मिलेगी।

संतों के सान्निध्य में 14 जून रविवार को मनेगा जैन समाज का समारोह, होगा ध्वजारोहण व भूमि पूजन

उज्जैन। शहर में जैन समाज का एक भव्य धार्मिक समारोह रविवार 14 जून को आयोजित होने जा रहा है। कार्यक्रम पंचकोशी मार्ग डीपीएस स्कूल के पास मक्सी रोड स्थित सनसिटी अभ्युदय नगर ग्राम करोंदिया में परम पूज्य डॉ. आचार्य श्री मुक्ति सागर सुरिश्वर जी महाराज और आचार्य श्री अचल मुक्ति सागर सुरिश्वर जी महाराज के पावन सानिध्य में ध्वजारोहण व भूमि पूजन किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा। इस दौरान संतों की निश्रा में प्रस्तावित उपाश्रय स्थल पर धर्म ध्वजा फहराई जाएगी। दरअसल, जैन समाज के लिए यहां सनसिटी अभ्युदय नगर के नाम से एक सुव्यवस्थित कॉलोनी विकसित की जा रही है। रविवार को इसी कॉलोनी के मुख्य प्रवेश द्वार का भूमि पूजन भी संपन्न होगा। पंचक्रोशी मार्ग पर डी. पी. एस. स्कूल के पास और सांची प्लांट के पीछे आकार ले रहे इस आवासीय प्रोजेक्ट में समाज के लिए विशेष रूप से भगवान श्री वासुपूज्य स्वामी जी का मंदिर और उपाश्रय बनाया जा रहा है।

पुरुषोत्तम सागर में भगवान श्री पुरुषोत्तम नारायण को कराया नौका विहार

उज्जैन। अधिक मास के पावन पर्व एकादशी पर इंदिरानगर स्थित सप्त सागरों में से एक श्री पुरुषोत्तम सागर में भगवान श्री पुरुषोत्तम नारायण का भव्य नौका विहार कराया गया। यह पुनीत आयोजन ब्रह्मलीन ज्योतिर्विद पंडित श्याम नारायण व्यास की स्मृति में संपन्न हुआ।

बाबा गुमानदेव हनुमान गढ़ी के गादीपति ज्योतिर्विद पं. चंदनश्यामनारायण व्यास ने बताया कि सर्वप्रथम तीर्थ का पंचामृत पूजन कर पीतांबर अर्पण किया गया। इसके पश्चात पं. अधीश द्विवेदी के आचार्यत्व में 21 वैदिक ब्राह्मणों द्वारा पुरुषसूक्त का पाठ किया गया। पूजन के बाद भगवान श्री लीला पुरुषोत्तम ने तीर्थ में नौका विहार किया। धर्मशास्त्रों के अनुसार अधिक मास में पुरुषोत्तम सागर का विशेष महत्व है और नौका विहार के दर्शन मात्र से व्यक्ति भव सागर से पार हो जाता है।

इस अवसर पर महापौर मुकेश टटवाल, समाजसेवी अनंतनारायण मीणा, अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं. सुरेंद्र चतुर्वेदी, पं. गोपाल कृष्ण दवे, पं. दिनेश रावल, पं. जयंत द्विवेदी, पं. विजय तिवारी, पं. चंद्रशेखर शर्मा, पं. कृष्णकांत पंड्या, किशोर भाटी, गणपतलाल मीणा, संजय श्रीवास्तव, मनीष रावल, हेमंत जोशी, लीलाधर जाधव, सतीश श्रीवास्तव, हर्ष निगम, राजेश भाटी, विजया शर्मा, संगीता श्रीवास्तव और मालती द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक दर्शन के लिए उपस्थित थे।

संभागायुक्त सह मेला अधिकारी श्री सिंह द्वारा सिंहस्थ के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई

उज्जैन । संभागायुक्त सह मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह द्वारा शुक्रवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय के सभाकक्ष में आगामी सिंहस्थ महापर्व-2028 के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा करवाए जा रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री गोपाल डाड, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में जानकारी दी गई कि पीआईयू के अंतर्गत निर्माणाधीन सर्किट हाउस का कार्य प्रगतिरत है। मेला अधिकारी श्री सिंह ने सर्किट हाउस निर्माण के पश्चात इसके उचित प्रबंधन की कार्ययोजना बनाए जाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि आयुर्वेदिक बालक एवं बालिका छात्रावास का निर्माण कार्य भी प्रगतिरत है। इसमें जी प्लस-3 भवन का निर्माण किया जाएगा।

मेला अधिकारी श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना के अंतर्गत वहां पर सौर संयंत्र भी स्थापित किए जाने की कार्ययोजना बनाई जाए। लोक निर्माण विभाग (सेतु) के अधिकारियों ने जानकारी दी कि लाल पुल आरओबी में अगले 01 से 02 दिनों में कंक्रीट का कार्य हो जाएगा। तपोभूमि से हामूखेड़ी में 02 पियर की कैपिंग का कार्य हो गया है। लाल पुल में 01 पाइल कैप का कार्य बचा है। बारिश के पूर्व इसे पूर्ण कर लिया जाएगा।

एमपीआरडीसी के कार्यों की समीक्षा के दौरान संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि उज्जैन-जावरा फोर लेन का कार्य तेज गति से किया जाए। यह अत्यंत महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। समय-समय पर इसका फॉलोअप भी लिया जाए। मेला अधिकारी श्री सिंह द्वारा बीडीसी एवं एमपीईबी के अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों की भी समीक्षा की गई तथा समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

उत्तर प्रदेश की टीम ने प्रयागराज महाकुंभ में किए फायर सेफ्टी प्रबंधन का प्रेजेंटेशन दिया

उज्जैन । संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में आयोजित फायर सेफ्टी प्लानिंग की प्रारंभिक बैठक कलेक्टर सभागृह में आयोजित हुई। उत्तर प्रदेश की फायर सेफ्टी टीम के साथ प्रयागराज कुंभ 2025 में की गई फायर सेफ्टी प्रबंधन व्यवस्था का प्रेजेंटेशन देखा। उत्तर प्रदेश के फायर सेफ्टी अधिकारी (बुलंदशहर) श्री प्रमोद शर्मा और श्री अंशुल मित्तल फायर सेफ्टी अधिकारी (लखनऊ) ने प्रयागराज कुंभ में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह ने बताया उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ 2028 को फायर प्रूफ बनाने के लिए बेहतर प्रबंधन और रिस्पांस समय को कम करने के लिए उत्तर प्रदेश के दल के साथ शुक्रवार को मंथन किया गया। उत्तर प्रदेश के फायर सेफ्टी अधिकारी ने सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह को प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया।

सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल स्थित कलेक्टर सभागृह में आयोजित बैठक में उत्तर प्रदेश के दल ने बताया कि प्रयागराज कुंभ मेला 2025 को फायर सेफ्टी प्रबंधन के साथ सबसे कम समय में रिस्पांस करने के लिए भी जाना जाता है। किसी भी स्तर पर आग लगने की घटना में हमारा रिस्पांस समय 2 से 3 मिनट रहा है और ऐसी व्यवस्थाएं उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के आयोजन में भी की जाना है। प्रेजेंटेशन के दौरान फायर सेफ्टी अधिकारी श्री प्रमोद शर्मा ने बताया कि प्रयागराज कुंभ के दौरान सभी अखाड़ों में एक-एक फायर सेफ्टी टीम तैनात की गई थी। इसी के साथ 54 फायर स्टेशन और 27 फायर पोस्ट मेला क्षेत्र में बनाई गई थी। हर एक किलोमीटर के दायरे में एक फायर स्टेशन रखा गया था। ट्रिपल स्टेज रिस्पांस सिक्योरिटी सिस्टम को लागू किया गया था। इसी के साथ मेले क्षेत्र में 44 फायर टावर भी बनाए गए और लगभग 4870 फायर हाइड्रेंट मेला क्षेत्र में बनाए गए थे। प्रयागराज महाकुंभ 2025 का मेला एरिया 4 हजार हेक्टेयर का था जिसमें 1900 हेक्टेयर पार्किंग के लिए रखा गया था। मेला क्षेत्र में 450 किलोमीटर की आंतरिक सड़क बनाई गई थी और लगभग 20 लाख लोगों ने दो महीने कल्पवास भी प्रयागराज में किया था। इन सभी व्यवस्थाओं को देखते हुए प्रयागराज में दो माह पहले से ही सभी फायर इंस्ट्रूमेंट तैनात कर दिए गए थे, और उनकी क्वालिटी चेकिंग के लिए टीम भी लगातार कार्य कर रही थी। मेले को 10 जोन और 25 सेक्टर में बांटकर पूरी व्यवस्थाएं बनाई गई थी।

मेला क्षेत्र में सभी फायर स्टेशन पर 20 हजार लीटर के वाटर टैंक अंडर ग्राउंड भी रखे गए थे, जिससे आवश्यकता होने पर उस पानी का उपयोग आग बुझाने में किया जा सके। इसके साथ ही जल निगम, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, जिला प्रशासन, पुलिस बल के साथ कमान कंट्रोल सेंटर में अधिकारियों की 24 घंटे ड्यूटी रहती थी। प्रयागराज मेले में मॉक ड्रिल पर सबसे अधिक फोकस किया गया था, जिससे कि किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए हमारे कर्मचारी पूरी तरह तैयार रहें। प्रयागराज मेले में आग लगने की घटनाओं का रिकॉर्ड रखने के लिए भी बीई, इलेक्ट्रिक के छात्रों को लगाया गया था। इन सभी को ट्रेनिंग दी गई। सभी कर्मचारियों को रुकने के लिए भी सभी व्यवस्थाएं मेला क्षेत्र में ही की गई। सभी तकनीकी उपकरणों को बेहतर क्वालिटी के साथ टेस्ट भी किया गया था। पूरे मेला क्षेत्र में आग से कैजुअल्टी नहीं हुई, यह प्रयागराज मेले की हमारी उपलब्धि थी।

इस अवसर पर फायर सेफ्टी अधिकारी श्री अंशुल मित्तल ने बताया कि उज्जैन सिंहस्थ मेला 2028 को भी फायर सेफ्टी बनाने के लिए हम सभी लगातार मेहनत करेंगे और जब-जब भी प्रशासन द्वारा बुलाया जाएगा, हम अपना प्रेजेंटेशन और अनुभव का लाभ उज्जैन सिंहस्थ में उपलब्ध कराएंगे। बैठक में नगर निगम के आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, अपर आयुक्त श्री संतोष टैगोर सहित पुलिस के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

संभाग आयुक्त श्री सिंह ने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश की टीम के साथ बैठकर अपना प्लान इनको बताएं उसके अनुसार किस प्रकार बेहतर प्रबंधन किया जाएगा और बेहतर व्यवस्था को बनाने के लिए एक प्राथमिक कार्य योजना तैयार करें।

बारिश के दौरान जिलों के बांधों से पानी छोड़ने की स्थिति में सावधानी रखी जाए - संभागायुक्त श्री सिंह

रपटे, नाले और पुलों पर बाढ़ के समय पुलिस, होमगार्ड के जवान भी तैनात करें - ए.डी.जी. श्री गुप्ता

उज्जैन । संभागायुक्त श्री आशीष सिंह और ए.डी.जी. श्री राकेश गुप्ता ने मानसून के दौरान संभावित बाढ़ और जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से संभाग के कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों की बैठक ली।

बैठक के दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने बाढ़ आपदा प्रबंधन को लेकर निर्देश दिए कि बारिश के दौरान जिलों में स्थित बांधों से पानी छोड़ने की स्थिति में सावधानी रखें। जिलों में जलमग्न होने वाले पुल-पुलियों पर सतर्कता बरती जाए। पीडब्ल्यूडी के अधिकारी पुल-पुलियों का निरीक्षण कर आवश्यक सावधानी रखें। वीसी के दौरान एडीजीपी श्री राकेश गुप्ता ने भी बारिश के दौरान आवश्यक सावधानी रखने के लिए निर्देश दिए।

संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने शुक्रवार को मानसून पूर्व तैयारियों के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों के साथ समीक्षा बैठक कर मानसून के पूर्व बाढ़ आपदा से बचाव की सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने सभी कलेक्टरों को जिले में बाढ़ आपदा संवेदनशील क्षेत्रों व बाढ़ उन्मुख नदियों का चिन्हांकन कर, बड़े बांधों की सूची एवं स्टोरेज क्षमता, वर्तमान भराव एवं बांधों के गेट खोले जाने पर प्रभावित गांवों एवं क्षेत्रों की पूर्ण जानकारी तैयार रखने के निर्देश दिए। जिलेवार बाढ़ के संभावित कारणों, सूचना संबंधी उपायों, पूर्व सूचना एवं प्रचार-प्रसार की प्रणाली पर चर्चा कर जानकारी प्राप्त की गई।

बैठक में एडीजीपी श्री राकेश गुप्ता ने कहा कि बाढ़ की स्थिति में राहत शिविरों में प्रकाश व्यवस्था और सुविधाएं रहें। बारिश के दौरान स्कूली बसों के पुल-पुलियों से आने-जाने के दौरान सावधानी रखी जाए। पुराने तालाबों की स्थिति देख लें। जिलों में ड्रोन की व्यवस्था रहे, जिसके माध्यम से बाढ़ की स्थिति की जानकारी मिल सके।

बैठक में जल संसाधन विभाग ने बांधों से पानी छोड़ने की सूचना और प्रभावित गांवों में अलर्ट से संबंधित जानकारी दी तथा पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि विभाग ने जलमग्न होने वाले पुल-पुलियों के 154 स्थान चिन्हित किए हैं, जहां बाढ़ का पानी पुल से पहुंचता है। ऐसे स्थानों पर एक-एक व्यक्ति की ड्यूटी तैनात कर मोबाइल नंबर सहित सूची पुलिस व जिला प्रशासन को दी है। साथ ही सभी पुल-पुलियों पर दोनों ओर साइन बोर्ड लगाए गए हैं।

संभागायुक्त श्री सिंह ने अन्य जिलों में एडीईआरएफ जवानों और होमगार्ड्स को राहत एवं बचाव के सभी आवश्यक एवं उपलब्ध संसाधनों, गोताखोरों आदि की जानकारी नंबर सहित सूचीबद्ध कर सभी संबंधितों से साझा करने, अस्थायी शिविरों की व्यवस्था के लिए स्थान एवं स्थानीय संसाधनों का आकलन करने तथा नोडल अधिकारियों का नामांकन करने आदि के लिए निर्देशित किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान-सभी के प्रयासों से पुराने कुएं का सफल जीर्णोद्धार किया गया

उज्जैन । जनपद पंचायत उज्जैन अंतर्गत ग्राम पंचायत पिंगलेश्वर में जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के तहत समुदायिक प्रयासों से एक पुराने कूप का सफल जीर्णोद्धार किया गया है। यह कार्य ग्रामीणों, ग्राम पंचायत टीम, कर्मचारी स्टाफ और जागरूक गांववासियों की सामूहिक भागीदारी का उत्तम उदाहरण बन गया है।

ग्राम पंचायत पिंगलेश्वर की पूरी टीम ने ऐतिहासिक और जीवन रेखा माने जाने वाले इस समुदायिक कूप (कुएं) की सफाई एवं जीर्णोद्धार का सराहनीय प्रयास किया। वर्षों से उपेक्षित पड़े इस जल-स्रोत को पुनः जीवंत करने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि जब शासन की दूरदर्शी योजना (जल गंगा संवर्धन अभियान 2026) को जनपद पंचायत का मार्गदर्शन, ग्राम पंचायत की पूरी टीम, समर्पित स्टाफ और गांव के आम नागरिकों का सहयोग मिल जाता है, तो इतिहास के सोए हुए जल स्रोत भी जाग उठते हैं।

कार्य की मुख्य जानकारी- ग्राम पंचायत सरपंच द्वारा निकाली गई गाड़/कचरा (क्विंटल में) 1.5 क्विंटल कार्य पूर्णता के साथ यह कार्य 01-05-2026 को प्रारंभ किया गया और मई 2026 में पूरा किया गया। इस कार्य की अनुमानित लागत 0.04 लाख रुपये रही।

जीर्णोद्धार से प्राप्त लाभ- इस जीर्णोद्धार से कुएं की जल क्षमता में वृद्धि हुई है, गहराई बढ़ने और तल साफ होने से पानी का भंडारण क्षमता सुधरी है। भूजल स्तर में सुधार हुआ है, आस-पास के हैंडपंप और बोरवेल का जलस्तर बढ़ा है। स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हुआ है क्योंकि सड़क से गंदे पानी के रिसाव को रोका गया, जिससे जल की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। साथ ही कृषि एवं पर्यावरण को लाभ पहुंचा है, आसपास की फसलों को बेहतर सिंचाई और महिलाओं को साफ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है।

यह समुदायिक प्रयास पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक है। ग्राम पंचायत पिंगलेश्वर के इस कार्य ने साबित कर दिया कि जल संरक्षण और स्रोतों के पुनरुत्थान में स्थानीय भागीदारी सबसे बड़ा बल है।

उज्जैन में आज होगा मेगा अपार दिवस, 57 केंद्रों पर बनाए जाएंगे विद्यार्थियों के अपार आईडी

उज्जैन । जिला परियोजना समन्वयक श्री अशोक त्रिपाठी ने जानकारी दी कि विद्यार्थियों की अपार आईडी निर्माण प्रक्रिया को गति देने और जिले में शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के उद्देश्य से आज जिले में ÷मेगा अपार दिवस÷ का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार संचालित किया जा रहा है।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा जिला शिक्षा केंद्र के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखंडों में विशेष शिविर आयोजित किए गए हैं। अभियान के तहत जिलेभर में कुल 57 केंद्रों पर विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाने की व्यवस्था की गई है। विकासखंडवार केंद्रों की संख्या में बड़नगर में 11, घटिया में 6, उज्जैन ग्रामीण में 6, महिदपुर में 10, खाचरौद में 12 तथा तराना में 12 केंद्र शामिल हैं।

शिक्षा विभाग के अनुसार, मेगा अपार दिवस के दौरान शिक्षकों, पालकों और समुदाय के सहयोग से अधिक से अधिक विद्यार्थियों की अपार आईडी तैयार की जाएगी। यह आईडी विद्यार्थियों के शैक्षणिक अभिलेखों को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने के साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

झूलेलाल की महाआरती में लगा 56 भोग, समाजजनों ने लिया सेवा का संकल्प

इंदिरा नगर में सिंधी समाज ने 101 दीपों से की इष्ट देव की आरती

उज्जैन। इंदिरा नगर में इष्ट देव भगवान झूलेलाल की महाआरती पूर्ण विधि-विधान और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर भगवान को 56 भोग अर्पित कर 101 दीपों से महाआरती की गई। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त समाजजनों ने इंदिरा नगर पंचायत एवं भाई बंध पंचायत के सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संयुक्त संकल्प लिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में भगवान झूलेलाल, स्वामी लीला शाह और मां हिंगलाज की पूजा-आराधना की गई। माल्यार्पण के पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महाआरती शुरू हुई। सिंधी भाई बंध पंचायत के अध्यक्ष दौलत खेमचंदानी ने बताया कि अधिक मास में भगवान झूलेलाल की आराधना हेतु महाआरती का विशेष महत्व होता है। आयोजन में उपस्थित समाजजनों ने भक्ति भाव के साथ नृत्य आराधना भी की।

इनका हुआ सम्मान

कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र जेठवानी, गिरधारी लाल जेठवानी, हेमा नाचकानी और लक्ष्मी चेतनानी द्वारा भाई बंध समाज कल्याण एवं उत्थान समिति के सचिव वीर कुमार मामनानी, सुरेश पुरसवानी, मुकेश शेवारामानी, उषा सेवारामानी, नीतू रमेश बलवानी, भारती खेमचंदानी, कोमल महेश बलवानी, जया थानी, कमल मोटवानी, ओमप्रकाश खेमानी, गोपाल थानी, बिंदिया बलवानी, निशा रामचंदानी, प्रेरणा पमनानी, लता मूलचंदानी और लीज़ा चंदनानी का स्वागत किया गया।

पूज्य भाई बंध पंचायत के सदस्यों की उपस्थिति में हुए इस आयोजन का संयोजन हेमंत दास चेतनानी, नरेश मूलचंदानी, नीतू बलवानी एवं पंचायत द्वारा किया गया। अंत में आभार श्रीमती राजकुमारी खेमचंदानी और नारायण कोटवानी ने माना।

वैदिक गणित से आसान होती हैं जटिल गणनाएं, बच्चों को मशीन नहीं विचारशील बनाएं शिक्षक

उज्जैन। सनातन धर्म और प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा आज भी पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक है। वैदिक गणित के माध्यम से न केवल जटिल गणनाओं को कम समय में हल किया जा सकता है, बल्कि इससे विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता भी बढ़ती है। मनुष्य प्रणालियां बनाता है और कंप्यूटर उनका पालन करते हैं, इसलिए शिक्षकों का उद्देश्य बच्चों को मशीन नहीं बल्कि विचारशील बनाना होना चाहिए।

यह बात लोकमान्य तिलक शिक्षण समिति के अध्यक्ष वरुण गुप्ता ने कही। वे समिति द्वारा आयोजित शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग 2026 के दूसरे दिन प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि व वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि निरंतर सीखने की भावना ही एक शिक्षक को श्रेष्ठ बनाती है। हमारी प्राचीन शिक्षा पद्धति और आश्रमों में एकाग्रता, विश्लेषण और सरलीकरण जैसी तकनीकों का उपयोग होता था। उन्होंने बताया कि अमेरिका के हार्वर्ड स्कूल ने भी भगवद्गीता को अपने विषय के रूप में शामिल किया है। वहीं, उज्जैन के भारतीय वेद विद्या प्रतिष्ठान में जाकर शांत वातावरण में वैदिक गणित और गुरु-शिष्य परंपरा का गहराई से अध्ययन किया जा सकता है।

सत्र के दौरान वरुण गुप्ता ने एकाधिकेन पूर्वेण विधि, दो और तीन अंकों की संख्याओं को 7 और 19 से विभाजित करने के आसान तरीके, 100 गेम, 1000 गेम और क्यूब रूट निकालने जैसी रोचक गतिविधियां भी करवाईं, जिससे उपस्थित शिक्षक काफी उत्साहित नजर आए।

मूल्य आधारित शिक्षा और डिजिटल साक्षरता पर जोर

द्वितीय सत्र में शिक्षकों ने समसामयिक विषयों पर प्रस्तुतियां दीं। राहुल नागर ने एजुकेशन फॉर लाइफ नॉट जस्ट एग्जाम विषय पर बात करते हुए मूल्य आधारित और व्यावहारिक शिक्षा पर जोर दिया और कहा कि शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ परीक्षा पास करना नहीं बल्कि चुनौतियों का सामना करना है। श्वेता पाठक ने शिक्षक की सृजनात्मकता पर विचार रखते हुए शिक्षण में नवीन विधियों को आवश्यक बताया।

सोमेश शर्मा ने टेक्नोलॉजी डिजिटल लिटरेसी एंड आर्ट ऑफ स्टोरीटेलिंग इन टीचिंग विषय पर प्रस्तुति देते हुए कहानी कहने की कला को शिक्षण का प्रभावी माध्यम बताया। प्रियंका सुगंधी ने डिजिटल युग में शिक्षकों की बदलती भूमिका विषय पर कहा कि अब शिक्षक केवल ज्ञान देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे मार्गदर्शक और सहयोगी बन गए हैं, इसलिए नई तकनीकों के साथ खुद को अपडेट रखना जरूरी है।

कार्यक्रम की शुरुआत संगठन मंत्र से हुई। आयोजन में समिति के सीईओ गिरीश भालेराव सहित विभिन्न इकाइयों के प्राचार्य, शिक्षाविद्, न्यासी और शिक्षक मौजूद रहे। प्रथम सत्र का संचालन रचना सुगंधी और द्वितीय सत्र का संचालन किरण व्यास ने किया। लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेश त्रिपाठी ने कार्यक्रम की जानकारी दी।

नामांकन अभियान में उज्जैन जिले ने राज्य स्तरीय प्रथम स्थान प्राप्त किया

उज्जैन । शिक्षा के क्षेत्र में हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना सरकार और समाज का प्राथमिक दायित्व है। इसी संकल्प को साकार करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा चलाए गए नामांकन अभियान में उज्जैन जिले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जिले के सामूहिक प्रयास, मजबूत नेतृत्व और समुदाय की सक्रिय भागीदारी का प्रमाण है।

शिक्षा पोर्टल 3.0 के आंकड़ों के अनुसार 5 जून 2025 तक जिले में कक्षा 1 से 8 तक का कुल नामांकन 92.57 प्रतिशत रहा। राज्य स्तरीय रैंकिंग में उज्जैन जिले ने 92.0 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि अन्य जिलों का प्रदर्शन ष्पद्गश्चद्वद्धद्धह्लद्ध1द्द्य4 कम रहा। कक्षा-1 में पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय सुधार दर्ज करते हुए जिले ने राज्य में प्रथम स्थान (98.0 प्रतिशत) प्राप्त किया। इसी प्रकार कक्षा-5 से कक्षा-6 में ट्रांजिशन दर भी राज्य में सर्वोच्च (81.8 प्रतिशत) रही।

प्रयासों की रूपरेखा

जिला कलेक्टर महोदय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी महोदय और जिला परियोजना समन्वयक श्री अशोक त्रिपाठी के मार्गदर्शन में अभियान को मिशन मोड में चलाया गया। कक्षा-1 और कक्षा-6 पर विशेष फोकस किया गया। आंगनवाड़ी केंद्रों, महिला बाल विकास विभाग और शिक्षा पोर्टल से सूची प्राप्त कर हर बच्चे तक पहुंच बनाई गई। ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान कर उन्हें पुनः स्कूल से जोड़ने के ठोस प्रयास किए गए।

जिला परियोजना समन्वयक श्री अशोक त्रिपाठी ने स्वयं प्रत्येक विकासखंड में जाकर बैठकों का आयोजन किया और अमले को प्रोत्साहित किया। प्रतिदिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रगति की समीक्षा की गई। शिक्षकों ने घर-घर जाकर अभिभावकों से संवाद किया। गांवों में बाल सभा, रैली, नुक्कड़ नाटक और पोस्टर के माध्यम से जागरूकता फैलाई गई। विद्यालय स्तर पर अभिभावक बैठकें आयोजित की गईं। बालिकाओं, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और स्कूल से वंचित बच्चों पर विशेष ध्यान दिया गया।

सभी विकासखंडों की सक्रिय भागीदारी

घटिया (95.27त्न), उज्जैन ग्रामीण (95.45त्न), उज्जैन शहरी (92.97त्न), तराना (92.89त्न) सहित सभी सातों विकासखंडों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों ने एकजुट होकर काम किया, जिससे अधिकतम नामांकन सुनिश्चित हुआ।

परिणाम एवं प्रभाव

इस अभियान से न केवल नामांकन में वृद्धि हुई, बल्कि विद्यालय और समुदाय के बीच का विश्वास भी मजबूत हुआ। हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने की दिशा में एक ठोस आधार तैयार हुआ है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर 50 से अधिक लोगों ने किया रक्तदान

उज्जैन। विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को शहर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कोटक म्यूचुअल फंड के राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत आयोजित इस शिविर में 50 से अधिक लोगों ने रक्तदान कर महादान का संदेश दिया।

फ्रीगंज स्थित आचार्य विद्यासागर भवन में यह शिविर म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन, भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी जिला शाखा और जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक चले इस शिविर में स्वस्थ नागरिकों, म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स और उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस अवसर पर भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव अनुराग जैन, म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन के अध्यक्ष गोपाल पंड्या और कोटक के उज्जैन ब्रांच हेड पंकज शर्मा ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। शिविर में एसोसिएशन के पदाधिकारी वैभव बंसल, अनुपम अग्रवाल, अजय तिवारी, विजय सोनी और अशोक गांधी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

म्यूचुअल फंड एसोसिएशन के मेंटर अभिलाष जैन और आशीष धारीवाल ने बताया कि रक्तदान एक सुरक्षित और महान सामाजिक दायित्व है। इससे अनेक जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। समाज सेवा का संदेश देते हुए स्वयं अभिलाष जैन, आशीष धारीवाल, ऋषभ धारीवाल, प्रतीक जैन, अंशुल पाटीदार और आकाश शर्मा ने भी रक्तदान किया। आयोजकों ने एक यूनिट रक्त को नया जीवन प्रदान करने वाला बताते हुए सभी रक्तदाताओं के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

सिंहस्थ 2028 महापर्व की व्यवस्थाओं के बेहतर प्रबंधन के लिए कार्ययोजना तैयार की जाएगी - संभागायुक्त

संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने सिंहस्थ 2028 में की व्यवस्थाओं की प्लानिंग के साथ क्रियान्वयन की प्रगति पर संवाद किया

उज्जैन । संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने सिंहस्थ मेला 2028 में ग्लोबल प्रबंधन और योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं जियोइन्फॉर्मेटिक्स संस्थान, गांधीनगर (गुजरात) के महानिदेशक श्री टीपी सिंह और उनके दल के साथ बैठक की। बैठक में सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत की जा रही विभिन्न योजनाओं पर विचार-विमर्श कर निर्माणाधीन परियोजनाओं की जानकारी दी गई तथा उनसे संबंधित प्रबंधन कार्ययोजना तैयार करने को लेकर चर्चा की गई।

सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल स्थित कलेक्टर सभागार में शुक्रवार को संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं जियोइन्फॉर्मेटिक्स संस्थान के महानिदेशक श्री टीपी सिंह के साथ सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर चर्चा की। बैठक में पीएम गति शक्ति प्लेटफॉर्म एवं जियोग्राफिकल स्पेशल तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने के लिए विचार-विमर्श हुआ।

बैठक के दौरान जानकारी दी गई कि एपीआई के माध्यम से सिंहस्थ मेले की संपूर्ण जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर डेटा के साथ उपलब्ध कराने की योजना तैयार की जाएगी। इसके माध्यम से करीब 250 किलोमीटर की परिधि में ट्रैफिक नियंत्रण के साथ ट्रेन, बस और छोटे वाहनों के रूट की जानकारी भी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। सिंहस्थ महापर्व के दौरान पार्किंग, घाट, मेला क्षेत्र में पहुंच मार्ग, आवश्यक सूचना एवं कम्युनिकेशन की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

संभागायुक्त श्री सिंह ने सिंहस्थ 2028 की तैयारियों की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को संस्थान के साथ समन्वय कर पूरा प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, अपर आयुक्त श्री संतोष टैगोर एवं उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ श्री संदीप सोनी भी उपस्थित रहे।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के अंतर्गत गूगल क्लाउड टीम द्वारा तकनीकी प्रस्तुतीकरण दिया गया

सिंहस्थ 2028 के लिए एआई आधारित तकनीक और जियो मैपिंग व्यवस्था को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह के समक्ष गूगल क्लाउड टीम द्वारा तकनीकी प्रस्तुतीकरण दिया गया तथा चर्चा हुई।

प्रस्तुतीकरण में सिंहस्थ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं की विशाल संख्या के प्रभावी प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, यातायात संचालन, सूचना प्रसारण तथा विभिन्न प्रशासनिक व्यवस्थाओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से और अधिक सुदृढ़ बनाने की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस दौरान जानकारी दी गई कि उन्नत तकनीकों एवं डेटा एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म की सहायता से सिंहस्थ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं के आवागमन के पैटर्न (मोबिलिटी पैटर्न) का रियल-टाइम विश्लेषण किया जा सकता है। इसके माध्यम से विभिन्न घाटों, मंदिरों, प्रमुख मार्गों एवं आयोजन स्थलों पर श्रद्धालुओं की संख्या, उनकी आवाजाही तथा भीड़ के दबाव का पूर्वानुमान लगाकर प्रशासन समय रहते आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर सकेगा।

इसके अलावा मोबाइल आधारित सूचना प्रणाली, डिजिटल मैप, दिशा-निर्देश, भीड़ की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं एवं आपातकालीन संदेशों का प्रसारण किया जा सकेगा, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव प्राप्त होगा तथा प्रशासनिक प्रबंधन अधिक प्रभावी बन सकेगा।

संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ-2028 की आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न तकनीकी विकल्पों का विस्तृत अध्ययन किया जाए तथा उन क्षेत्रों की पहचान की जाए जहां तकनीक के माध्यम से श्रद्धालुओं की सुविधा एवं प्रशासनिक दक्षता में अधिकतम वृद्धि सुनिश्चित की जा सके।

संपादकीय

ईपीएफओ और ईएसआई में व्यापक सुधार जरूरी, औपचारिक नौकरियों की क्षमता बढ़ाने की राह खुलेगी

वर्ष1958 में माओ त्से तुंग के ग्रेट लीप फॉरवर्ड में विचित्र 'चार कीट' अभियान शामिल था। इसका उद्देश्य मक्खियों, मच्छरों, चूहों और गौरैयों को समाप्त करना था। शोध से पता चलता है कि टिड्डियों और धान को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को खाने वाली करीब 2 अरब गौरैयों को मारे जाने के कारण अनजाने ही देश में 20 लाख लोगों की मौत हुई। यह एक अतिरंजित उदाहरण है, लेकिन यह दर्शाता है कि लाइसेंस राज के तहत नेक नीतिगत इरादों के भी द्वितीयक प्रभाव कैसे सामने आए।

भारत में लाइसेंस-राज की विरासत वाली दो संस्थाएं जो सरकार द्वारा वित्तपोषित नहीं हैं और जिन्होंने औपचारिकीकरण को बाधित करने में योगदान दिया है, वे हैं कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी)। भारतीय नियोक्ता श्रम संहिताओं का पालन करने के लिए 40,000 करोड़ की लागत चुपचाप वहन कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें ईपीएफओ और ईएसआई में मौलिक सुधार मिलना चाहिए, जैसे कि आधार-लिंक्ड, पूर्णतः पोर्टेबल, आजीवन सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा खाता बनाना, जो कर्मचारियों को अधिक विकल्प प्रदान करे।

ईएसआई और ईपीएफओ को एक ही वजह से बुनियादी सुधारों की आवश्यकता है- नियोक्ता और कर्मचारी कवरेज पर खराब नीतिगत परिणाम, नियोक्ताओं और कर्मचारियों में उच्च असंतुष्टि, कंपनी-लागत आधारित पारिश्रमिक जगत से पूरी तरह असंबद्ध त्रुटिपूर्ण डिजाइन द्वारा औपचारिक रोजगार को बाधित करना, तकनीकी प्रणालियां उस दुनिया के लिए अपर्याप्त हैं जहां रोजगार आजीवन अनुबंध से टैक्सी जैसी अस्थायी व्यवस्था में बदल गया है, मानकों की तुलना में अत्यधिक प्रशासनिक शुल्क, कमजोर शासन जहां उनके बिना प्रतिनिधित्व वाले बोर्डों में दर्जनों लोग होते हैं और सुधार के प्रस्तावों पर 'कोई भी ना कह सकता है और कोई भी हां नहीं कह सकता'।

किसी भी देश में सामाजिक सुरक्षा में सुधार करना जटिल होता है, लेकिन दोनों संगठनों के मौलिक सुधार के लिए संघीय बजट घोषणा को लागू करने में 10 साल की देरी सुधार को और भी अधिक तत्काल जरूरी बना देती है। आइए प्रत्येक संगठन पर गहराई से विचार करें।

ईपीएफओ कार्य आधारित सामाजिक सुरक्षा देने में नाकाम रहा है। यह कुल 6.3 करोड़ नियोक्ताओं के केवल 2 फीसदी और कुल 56 करोड़ कामगारों के केवल 13 फीसदी को कवर करता है। नियोक्ताओं में बहुत अधिक असंतोष है। ईपीएफओ के 32.56 करोड़ सब्सक्राइबर में से 78 फीसदी इसमें योगदान नहीं कर पाते हैं क्योंकि इसका डिजाइन नियोक्ता संबद्ध है और तकनीक को खराब ढंग से अपनाया गया है। इसका रिटर्न एनपीएस से कम है।

योगदान के एक बड़े हिस्से का अनैच्छिक रूप से कर्मचारियों की पेंशन योजना (ईपीएस) के उप-खाते में डाल दिया जाना, जिसकी जन्मजात खामी परिभाषित लाभ और परिभाषित योगदान (जिनमें से एक को परिवर्तनीय होना ही चाहिए) लगभग 3 लाख करोड़ रुपये के घाटे का संकेत देती है, जिसे केवल राजकोषीय योगदान या लाभ में कटौती से ही पूरा किया जा सकता है (शायद यही कारण है कि 75 फीसदी लोग इस आजीवन लाभ को चार वर्षों के भीतर ही निकाल लेते हैं)।

इसी तरह, ईएसआई कार्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा वित्तपोषण प्रदान करने में विफल रहा है। इसमें 1 फीसदी से कम नियोक्ता और 6 फीसदी कर्मचारी ही कवर किए गए हैं। ईएसआई के 3.2 करोड़ योगदानकर्ताओं में से केवल 50 फीसदी ही उनकी सेवाओं का उपयोग करते हैं। सबसे पीड़ादायक बात यह है कि ईएसआई ने कर्मचारियों और नियोक्ताओं से अधिक शुल्क वसूला और पिछले वर्ष 8,900 करोड़ का अधिशेष उत्पन्न किया, जो 63 फीसदी के कम भुगतान अनुपात की वजह से हुआ (यह अधिकांश देशों में अवैध होता, जहां 85 फीसदी से कम भुगतान अनुपात पर कानूनन योगदानकर्ताओं को रिफंड देना पड़ता है) और 3,000 करोड़ रुपये के उच्च प्रशासनिक शुल्क (योगदान का 15 फीसदी बनाम वैश्विक और स्थानीय मानक 2 फीसदी) नियोक्ताओं से अलग से वसूले गए। ईएसआई का अपर्याप्त कवरेज और कम लाभ भुगतान से मानव पूंजी पर भारी लागत आती है।

इन कमियों की वजह से दोनों कार्यक्रमों के लिए स्पष्ट सुधारों की आवश्यकता दिखती है। ईपीएफओ को कर्मचारियों को विकल्प देना चाहिए कि वे अपने 12 फीसदी नियोक्ता योगदान को या तो ईपीएफओ या एनपीएस में जमा करें और तीन स्तरों में से कर्मचारी योगदान (0/6/12 फीसदी) चुनें। इसे नियोक्ता प्रशासनिक शुल्क को एनपीएस स्तर तक घटाना चाहिए (4 फीसदी से घटाकर 0.03 फीसदी तक)। ईपीएफओ को अच्छी तरह से यह स्पष्ट करना चाहिए कि अधिनियम की वेतन सीमा (15,000 रुपये प्रति माह) से ऊपर के कर्मचारियों पर कोई कवरेज लागू नहीं होता, और उस सीमा से ऊपर स्वैच्छिक रूप से बंद करने या निकासी की अनुमति देनी चाहिए।

इसे ईपीएस का पुनर्गठन करना चाहिए, फंडिंग की कमी को दूर करना चाहिए, वादे किए गए लाभों का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए, कर्मचारियों को यह विकल्प देना चाहिए कि वे अपने मासिक योगदान को अपने 'निर्धारित योगदान खाते' में जमा करवाकर इस योजना से बाहर निकल सकें, और इसे अटल पेंशन योजना या अन्य योजनाओं के साथ एकीकृत कर सकें। कर्मचारियों को अपने खातों को यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) के बजाय आधार से जोड़ने का विकल्प दिया जाना चाहिए।

रुपये को संभालने के फायदे कम, नुकसान ज्यादा

पिछले कुछ हफ्तों से सभी की नजरें रुपये पर टिकी हुई हैं। अमेरिकी मुद्रा डॉलर की तुलना में रुपये का लगातार फिसलना कौतूहल का विषय बनता जा रहा है। रुपये की चाल पर हो रही टीका-टिप्पणी में इसकी व्याख्या कमजोरी के संकेत के रूप में हो रही है। इसके साथ ही, रुपया संभालने के लिए केंद्रीय बैंकों द्वारा किए गए प्रयासों की अक्सर तारीफ भी हो रही है।

मगर यह दृष्टिकोण एक बुनियादी बात को नजरअंदाज करता है। यानी विनिमय दर एक मूल्य है और किसी भी अन्य मूल्य की तरह इसे मांग और आपूर्ति में बदलाव के अनुसार समायोजित करना पड़ता है। इसे कृत्रिम स्तर पर बनाए रखने की कोशिश करने से अंदरूनी असंतुलन दुरुस्त नहीं होता है। इससे बस संकट कुछ समय के लिए टल जाता है जिससे आगे होने वाली गिरावट और अधिक व्यवधान लेकर आती है।

इसे समझने के लिए एक जाने-पहचाने उदाहरण पर विचार करते हैं। जिस साल मॉनसून कमजोर होता है यानी कम बारिश होती है उसमें सब्जियों की आपूर्ति मांग से कम हो जाती है। इससे कीमतें बढ़ जाती हैं और फिर आगे की कवायद शुरू हो जाती है यानी लोग उपभोग कम कर देते हैं और किसानों को बाजार में यथासंभव अधिक से अधिक उपज लाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इससे मांग और आपूर्ति में असंतुलन स्वयं दुरुस्त होने लगता है। अब जरा कल्पना कीजिए कि सरकार कीमतें बढ़ने से रोकने के लिए हस्तक्षेप करना शुरू कर देती है।

मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर खत्म नहीं होता और यह बना रहता है। इसे नियंत्रित करने के लिए सरकार को बिक्री पर सीमा लगाने सहित अन्य प्रतिबंध लगाने पड़ते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि उपभोक्ताओं को कमी और सीमित पहुंच से जूझना पड़ता है जिससे हस्तक्षेप का मूल उद्देश्य ही विफल हो जाता है। यही कारण है कि सरकारें आमतौर पर कीमतें नियंत्रित करने की बजाय उन्हें समायोजित होने देती हैं। यही तर्क विदेशी मुद्रा बाजार पर भी लागू होता है। जब डॉलर की मांग आपूर्ति से अधिक हो जाती है तो डॉलर की कीमत बढ़ जाती है (और रुपये की कीमत गिर जाती है)। फिलहाल जो हम देख रहे हैं वह बाजार का बुनियादी समायोजन है।

तो डॉलर की मांग आपूर्ति से अधिक तेजी से क्यों बढ़ रही है? इसके दो मुख्य कारण हैं। सबसे पहले तो भारत का चालू खाता घाटा 2025-26 में लगभग 40 अरब डॉलर था मगर इसे पूरा करने के लिए विदेशी पूंजी की आमद अपर्याप्त थी। यह असंतुलन इस बात को समझने में सहायक है कि पिछले वर्ष रुपया पहले से ही दबाव में क्यों था। दूसरा, पश्चिम एशिया में युद्ध ने स्थिति और खराब कर दी है। प्रमुख आयातित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण चालू खाता घाटा और बढ़ने की आशंका है (संभवतः इस वर्ष लगभग 80 अरब डॉलर तक)। भारत के सामने एक कठिन चुनौती है यानी उसे लगभग 80 अरब डॉलर की विदेशी पूंजी आकर्षित करने की आवश्यकता है, जबकि यह ऐसा समय है कि वैश्विक निवेशक जोखिम से बचने लगे हैं और उभरते बाजारों से पैसा निकालकर सुरक्षित विकसित अर्थव्यवस्थाओं में झोंक रहे हैं।

ऐसी हालत में संतुलन बहाल करने का सबसे व्यावहारिक तरीका रुपये में गिरावट को जारी रहने देना है। अब सवाल उठता है कि आखिर इससे कैसे मदद मिलेगी? यह ठीक उसी तरह काम करेगा जैसे सब्जियों की ऊंची कीमतें संतुलन बहाल करती हैं (मांग कम कर और आपूर्ति प्रोत्साहित कर)। विनिमय दर दो प्रमुख माध्यमों से कार्य करती है। पहला, कमजोर रुपया व्यापार के माध्यम से संतुलन बहाल करने में मदद करता है। रुपये के अवमूल्यन से विदेशी खरीदारों के लिए भारतीय सामान सस्ते हो जाते हैं जिससे निर्यात बढ़ता है और अधिक डॉलर प्राप्त होते हैं।

साथ ही, आयात महंगा हो जाता है जिससे विदेशी सामानों की घरेलू मांग कम हो जाती है। ये दोनों प्रभाव मिलकर चालू खाता घाटे को कम करने में मदद करते हैं। दूसरा, कमजोर रुपये से विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय वित्तीय परिसंपत्तियां सस्ती हो जाती हैं। डॉलर के लिहाज से भारतीय शेयर और बॉन्ड सस्ते हो जाते हैं जिससे वे अधिक आकर्षक बन सकते हैं। इससे भारतीय बाजारों में विदेशी निवेश को प्रोत्साहन मिल सकता है जिससे अधिक डॉलर आते हैं और चालू खाता घाटा कम करने में मदद मिलती है।

इसके उलट अगर नीति-निर्माता विनिमय दर कृत्रिम स्तर पर बनाए रखने का प्रयास करते हैं तो अंतर्निहित असंतुलन दूर नहीं होता बल्कि यह बना रहता है और समय के साथ और भी बढ़ सकता है। इसका मुख्य कारण यह है कि बाजार 80 अरब डॉलर की जरूरत से अवगत है। केंद्रीय बैंक हर समय डॉलर बेचकर इसकी भरपाई नहीं कर सकता क्योंकि अंततः उसके भंडार समाप्त हो जाएंगे। जब तक यह अंतर स्वतः खत्म बंद होने की उम्मीद नहीं हो तब तक रुपये का कुछ हद तक अवमूल्यन अपरिहार्य हो जाता है। इस स्थिति का सामना करते हुए कंपनियां और परिवार स्वाभाविक रूप से अपनी संपत्ति की सुरक्षा के तरीके तलाशेंगी जिसमें इसका कुछ हिस्सा विदेश में स्थानांतरित करना भी शामिल है।

एक और चिंता का विषय है। जब केंद्रीय बैंक विनिमय दर को नियंत्रित करने का प्रयास करता है तो निजी क्षेत्र का ध्यान बाजार से मिले रहे संकेतों से हटकर केंद्रीय बैंक के अगले कदम का अनुमान लगाने पर केंद्रित हो जाता है। यह अनिश्चितता स्वयं अस्थिरता का कारण बन सकती है। अगर मुद्रा को प्रतिबंधों के माध्यम से सहारा दिया जाता है (जैसे हाल ही में सोने और चांदी के आयात पर लगाए गए प्रतिबंध) तो यह निजी क्षेत्र को अस्थिर कर सकता है और आगे के नियंत्रणों की आशंकाओं को बढ़ा सकता है।

ऐसी आशंकाएं एहतियाती व्यवहार को जन्म दे सकती हैं जिससे कंपनियां और लोग देश से धन बाहर निकालने लगते हैं जिससे रुपये पर दबाव और बढ़ जाता है। दूसरे शब्दों में केंद्रीय बैंक द्वारा रुपये को नियंत्रित करने के प्रयास लाभ से अधिक हानि पहुंचा सकते हैं। यानी केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप से विश्वास में कमी आएगी, अनिश्चितता बढ़ जाएगी और बाजार से मिलने वाले संकेत अस्पष्ट हो जाएंगे। इससे डॉलर की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर बढ़ सकता है, निवेश की रफ्तार कमजोर पड़ सकती है और आर्थिक सुधार जटिल हो सकता है।

विनिमय दर समस्या नहीं है बल्कि समस्या वह तंत्र है जिसके माध्यम से इसका समाधान किया जाता है। इसे नियंत्रित करने से केवल समायोजन में देरी होती है और अंततः लागत बढ़ जाती है। इन परिस्थितियों में सबसे प्रभावी नीति सबसे सरल भी है यानी रुपये को स्वतंत्र रूप से चलने दें और उसे अर्थव्यवस्था के प्राथमिक झटकों से निपटने के माध्यम के रूप में अपना काम करने दें।

कानूनों का दुरुपयोग रोकने का समय

हाल में देश की शीर्ष अदालत ने एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए एक ऐसी चिंताजनक प्रवृत्ति की ओर ध्यान आकर्षित किया, जो केवल न्याय व्यवस्था ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। न्यायालय ने कहा, वैवाहिक अथवा व्यावसायिक संबंधों में जुड़े पक्षकार प्रतिशोध की भावना से एक-दूसरे के विरुद्ध आपराधिक प्रकृति के तुच्छ एवं दुर्भावनापूर्ण दावे करने तथा आरोप लगाने का काम कर रहे हैं।

वे अनैतिक और कुटिल उपायों का सहारा लेते हैं। अनेक मामलों में कानून और पुलिस का सहारा न्याय प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि दूसरे पक्षकार तथा उसके परिवारजनों पर दबाव बनाने, उन्हें परेशान करने तथा प्रतिशोध लेने के उद्देश्य से लिया जाता है। यह सब पक्षकार और उसके परिवारजनों के प्रति घृणा और तिरस्कार की भावना से प्रेरित होकर किया जाता है। सर्वोच्च न्यायालय की यह चिंता निराधार नहीं है।

वैवाहिक विवादों में झूठे और दुर्भावनापूर्ण मुकदमों की प्रवृत्ति को लेकर समय-समय पर न्यायालयों ने गंभीर टिप्पणियां की हैं। दहेज उत्पीड़न, वैवाहिक क्रूरता, घरेलू हिंसा तथा अन्य कानूनी प्रविधानों के अंतर्गत ऐसे मामले तमाम सामने आए हैं, जिनमें आरोप न्यायिक परीक्षण में सिद्ध नहीं हो सके। कई बार सामान्य, अस्पष्ट और व्यापक आरोपों के आधार पर पूरे परिवार को मुकदमेबाजी के दायरे में खड़ा कर दिया जाता है।

यह सच है कि महिलाओं के विरुद्ध होने वाली हिंसा, दहेज उत्पीड़न और भेदभाव की समस्या वास्तविक है तथा उससे संघर्ष करना किसी भी सभ्य समाज का दायित्व है, किंतु भारतीय समाज की चुनौती केवल इतनी भर नहीं है। सत्य यह भी है कि अनेक पुरुष झूठे आरोपों, दुर्भावनापूर्ण मुकदमों और लंबी न्यायिक प्रक्रियाओं के कारण मानसिक, सामाजिक और आर्थिक पीड़ा का सामना कर रहे हैं। पुरुषों की समस्याएं आज भी अपेक्षित सामाजिक और विधिक विमर्श का विषय नहीं बन सकी हैं।

परिणामस्वरूप अनेक बार उनकी पीड़ा को या तो गंभीरता से लिया ही नहीं जाता अथवा उसे सामाजिक विमर्श का वैध विषय नहीं माना जाता। यही कारण है कि 22 जनवरी, 2025 को 'ज्योति उर्फ किट्टू बनाम राज्य' मामले में न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा को यह टिप्पणी करनी पड़ी कि यह धारणा कि वैवाहिक संबंधों में केवल महिलाएं ही शारीरिक अथवा मानसिक क्रूरता की शिकार होती हैं और इसके कोई अपवाद नहीं हैं, जीवन की कठोर वास्तविकताओं के विपरीत हो सकती है। न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा था, जिस प्रकार महिलाएं क्रूरता और हिंसा से संरक्षण की अधिकारिणी हैं, उसी प्रकार पुरुष भी विधि के अंतर्गत समान सुरक्षा पाने के अधिकारी हैं।

लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि कोई भी महिला अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा और सम्मान को दांव पर लगाकर दुष्कर्म, यौन उत्पीड़न की मिथ्या शिकायत नहीं करेगी। यही कारण था कि ऐसे आरोपों को सामान्यतः विश्वसनीयता के साथ देखा जाता था। इस संदर्भ में गत वर्ष केरल उच्च न्यायालय ने कहा था कि बदलते सामाजिक परिदृश्य में इस धारणा का यांत्रिक रूप से अनुसरण नहीं किया जा सकता कि केवल आरोप लगाए जाने मात्र से उसकी सत्यता स्वतः सिद्ध हो जाती है। न्यायालय ने माना कि यद्यपि ऐसे मामले अपवादस्वरूप हो सकते हैं, तथापि कुछ प्रकरणों में गंभीर आरोप प्रतिशोध, दबाव या अन्य स्वार्थपूर्ण उद्देश्यों से भी लगाए गए। इसलिए किसी भी आरोप की सत्यता का निर्धारण पूर्वधारणाओं से नहीं, बल्कि तथ्यों और साक्ष्यों की कसौटी पर ही किया जाना चाहिए। वास्तव में समस्या का मूल कारण अधिकार नहीं, बल्कि अधिकार और उत्तरदायित्व के बीच बिगड़ता संतुलन है।

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में अधिकारों का संरक्षण आवश्यक है, किंतु उतना ही आवश्यक यह भी है कि उन अधिकारों के प्रयोग के साथ जवाबदेही भी सुनिश्चित हो। जब किसी कानून का उपयोग संरक्षण के स्थान पर प्रतिशोध, दबाव अथवा व्यक्तिगत स्वार्थ की पूर्ति का माध्यम बनने लगे, तो उसका प्रभाव केवल संबंधित पक्षों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता को भी प्रभावित करता है। देशभर में ऐसे अनेक मामले सामने आए हैं, जिनमें वर्षों तक न्यायिक प्रक्रिया का सामना करने के पश्चात आरोप असत्य अथवा प्रमाणित न हो पाने वाले सिद्ध हुए।

ऐसे मामलों में केवल मुकदमे का परिणाम ही महत्वपूर्ण नहीं होता, बल्कि वह सामाजिक, मानसिक और आर्थिक क्षति भी महत्वपूर्ण होती है, जिसका सामना आरोपित व्यक्ति और उसका परिवार करते हैं। प्रतिष्ठा की हानि, सामाजिक कलंक, पारिवारिक विघटन और मानसिक आघात ऐसे घाव हैं, जिनकी भरपाई प्रायः किसी न्यायिक आदेश से नहीं हो पाती। यह भी उतना ही सत्य है कि महिलाओं के विरुद्ध होने वाली वास्तविक हिंसा और उत्पीड़न के मामलों में कानून का कठोर और प्रभावी होना अनिवार्य है, किंतु किसी एक समस्या का समाधान दूसरी समस्या की उपेक्षा करके नहीं किया जा सकता। एक ओर महिलाओं के विरुद्ध हिंसा समाज के लिए चुनौती है, तो दूसरी ओर झूठे आरोपों और विधिक प्रक्रियाओं के दुरुपयोग की समस्या भी न्याय व्यवस्था के समक्ष एक गंभीर प्रश्न बनकर उभरी है। इसका समाधान अब होना ही चाहिए।

राजनीतिक कुसंस्कृति के विरुद्ध विद्रोह

ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस में टूट असाधारण घटना है। कुल 80 विधायकों में 58 विधानसभा में वैधानिक रूप से अलग हो गए, शेष में भी आधे से ज्यादा साथ दिखने तक से बच रहे हैं। सांसदों में भी 4 - 5 को छोड़कर कोई खुलकर सामने आने को तैयार नहीं। इनमें मुस्लिम सांसद भी शामिल हैं। साफ है कि इससे बुरी दशा की कल्पना ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के लिए नहीं की जा सकती। तृणमूल के विधानसभा में 80 विधायक के अलावा लोकसभा में 29 एवं राज्यसभा में 13 सांसद हैं। भतीजे अभिषेक पर हमले के विरोध में जब ममता ने धरना दिया तो कुल 142 जनप्रतिनिधियों में से केवल 14 ही वहां पहुंचे।

भारत के राजनीतिक इतिहास की यह पहली घटना है, जिसमें चुनाव परिणाम के तुरंत बाद लगभग पूरी पार्टी ही शीर्ष नेतृत्व से विद्रोह कर बाहर चली गई। और वह भी तब, जब उसे विपक्ष में बैठना है। इस नाते यह असाधारण घटना है। ज्यादातर टूट सत्ता के लिए या सत्ता में अनदेखी के कारण हुई है। चंद्रबाबू नायडू द्वारा ससुर एनटी रामाराव के विरुद्ध विद्रोह या महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे का उद्धव ठाकरे और अजीत पवार का शरद पवार के विरुद्ध विद्रोह अलग श्रेणी का था। तृणमूल का मामला बिल्कुल अलग है।

चुनाव परिणाम के बाद पूरे प्रदेश में तृणमूल नेताओं के विरुद्ध जैसा जन आक्रोश दिख रहा है, उसका ममता और अभिषेक तथा उनके इर्द-गिर्द रहने वाले नेताओं को आभास नहीं था। जहांगीर खान ने फालता उपचुनाव में अंतिम समय चुनाव मैदान से हटने की घोषणा कर यही बताया कि यह पराजय के भय से लिया गया निर्णय था। जब हिंसा, दमन और आतंक जीत का आधार हो और वह स्थिति समाप्त हो जाए तो चुनाव मैदान से हटने में ही भलाई है। जहांगीर को ममता और अभिषेक के हाशिये पर जाने और तृणमूल के मटियामेट होने के आसार दिख गए थे। तृणमूल की स्थापना की पृष्ठभूमि, सत्ता प्राप्ति के बाद के उसके चरित्र और व्यवहार को आधार बनाएं तो निष्कर्ष निकलेगा कि ममता के नेतृत्व की राजनीति का अंत ही इसकी स्वाभाविक परिणति है।

सत्ता का लाभ, बाहर जाने पर निर्मम प्रतिशोध और हिंसा का भय तथा सक्षम विकल्प न दिखने के कारण तृणमूल कांग्रेस का अस्तित्व बना हुआ था। पहले तृणमूल छोड़कर जाने वाले नेताओं के साथ पार्टी मशीनरी तथा पुलिस और प्रशासन का व्यवहार देख असंतुष्टों और बिक्षुब्धों को भी लगता था कि अगर बाहर गए तो उनकी खैर नहीं। ममता और अभिषेक एवं उनके लोग पुलिस प्रशासन के साथ केवल विरोधी ही नहीं, असंतुष्टों के विरुद्ध भी टूट पड़ते थे। 2021 के विधानसभा चुनाव के पूर्व काफी संख्या में नेता पार्टी छोड़कर गए, किंतु उनमें से कई के पास सम्मान का परित्याग कर आत्मसमर्पण करने के अलावा कोई चारा नहीं बचा।

अंधाधुंध कट मनी यानी कमीशन, भ्रष्टाचार, वसूली, सरकारी ठेके या अन्य कार्यों को अपने समर्थकों, कार्यकर्ताओं, नेताओं तक सीमित रहने के कारण स्वार्थ तथा दबंगई का ऐसा गठजोड़ बन गया था, जहां हजारों के लिए एकमात्र विकल्प इसमें शामिल होना और बने रहना था। इसी कारण दबंग, गुंडे, अपराधी, माफिया के साथ अवैध कारोबारी ही नहीं, वैध कारोबारी भी तृणमूल के समर्थक बने रहे। ममता ने 30 प्रतिशत मुस्लिम वोट को, जिनमें बांग्लादेशी घुसपैठिए भी शामिल थे, मुख्य आधार बनाने के लिए कट्टरपंथी तत्वों को स्वच्छंदता दे दी थी। सरकार और पार्टी की नीति इनका सहयोग और संरक्षण करना हो गई। इस तरह निहित स्वार्थी और कुत्सित उद्देश्यों वालों का गठजोड़ तृणमूल का आधार था। ममता की तुनकमिजाजी और अभिषेक रुप की दादागीरी के समक्ष सभी तब तक शांत रहे, जब तक सत्ता रही।

अंदर बड़े वर्ग में अपराध को संरक्षण, असहमति रखने वालों के प्रति असहिष्णुता, गाली-गलौज, धमकी, दमन और मुस्लिम कट्टरपंथ को प्रोत्साहित करने तथा हिंदुओं के सामान्य धार्मिक क्रियाकलापों पर बढ़ती बंदिशों के कारण असंतोष और क्षोभ बढ़ता रहा। तृणमूल कार्यकर्ताओं- नेताओं को सड़कों पर टोल वसूलने तथा कंपनियों, ठेकेदारों से कमीशन लेने की छूट के चलते ऐसा वातावरण बना कि ममता और अभिषेक पार्टी के बारे में गलतफहमी का शिकार हो गए। केवल अभिषेक को कारण मानने वाले बताएं कि ममता की शह के बगैर पार्टी और सरकार में कैसे कोई कुछ कर सकता था? जब ममता ने अपना आंख और कान अभिषेक को बना लिया तो किसकी मजाल, जो उनके विरुद्ध चूं तक करें। जब ममता और अभिषेक के शब्द ही पार्टी की विचारधारा बन गए हों तो इसमें संवाद, विमर्श और असहमति प्रकट करने की गुंजाइश ही कहां थी?

तृणमूल कांग्रेस की टूट उसकी पूरी राजनीति के विरुद्ध विद्रोह है। पहले मतदाताओं ने अपने मत से विद्रोह कर उसे नकारा और फिर विधायकों और सांसदों ने। जिस तरह सत्ता संभालने के साथ शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने सारे? लंबित आवश्यक बड़े फैसले किए, जिसकी ममता राज में कल्पना नहीं की जा सकती थी, उसका बंगाल की जनता पर मनोवैज्ञानिक असर हुआ है। सत्ता का चरित्र इतने कम समय में बदले और उसका प्रभाव दिखने लगे तो पता चलता है कि क्या करना चाहिए था और क्या हो रहा था?

बच्चों के कंधों पर नशा

फिसलते समाज की निशानियों में धूल की कालिख और दलदल में परिवेश को बचाएं भी तो कैसे। यह जुर्म नहीं, गवाही है कि हमारा पतन अब सामने से प्रहार कर रहा है। एक तेरह साल के बच्चे के हाथों को चिट्टे से रंगने वाला उसी का संबंधी निकला। गगल के बनोई में यह महत्त्वपूर्ण नहीं कि 130.48 ग्राम चिट्टा पकड़ा गया, बल्कि यह है कि 13 साल के बच्चे के कंधों पर उसी के जीजा ने चिट्टे का बोझ लाद दिया। इसे एक नायाब तरीका कहें कि बच्चे की मासूमियत में नशा ढोया जा रहा था और इस प्रक्रिया के तहत पहले भी खेप अमृतसर से हिमाचल पहुंचती रही है। एक भयानक तंत्र हमारे करीब इस तरह के मंतव्य को अंजाम दे रहा है, तो स्कूल की पुस्तकों से चिट्टे के दाग कौन मिटाएगा। रिश्तों की आंच में ही अगर घर की बर्बादी लिखी है, तो हर बार डाल-डाल और पात-पात की कहानी के खलनायक बदलते रहेंगे। अब अगर यह घर-घर का धंधा बन जाए, तो कितनी पुलिस और कितनी चौकसी काम आएगी। जाहिर है नशे का पैकेट और कमाई का पॉकेट अब इतना गठजोड़ कर चुके हैं कि नित नए तरीकों में खोट देखना पड़ेगा। नशे के तंत्र में हर वर्ग में सुराख हो चुके हैं, तो कहीं लड़कियां, कहीं औरतें, कहीं सरकारी कर्मचारी, कहीं पुलिस कर्मी, तो कहीं एस आई टीम को ही इस्तेमाल किया जा रहा है। यह पावरफुल नेटवर्क की तरफ इशारा कर रहा है कि संदिग्ध चेहरे हमारे आसपास के तानेबाने को नोच रहे हैं। चिट्टा जिन दरवाजों को लांघ कर आ रहा है वहां प्रश्रय के कई रास्ते और संपर्क के कई हाथ जुटे हैं। हैरानी यह कि नशा वितरण ठीक उसी तरीके से होने लगा है, जैसे आतंकवादी वारदातों में पहले स्लीपर सेल्ज काम पर लगाए जाते हैं। यानी जीजा ने 13 साल के बच्चे के शरीर से नशे का बम बांध दिया।

आगे चलकर वह बचे या न बचे। न जाने कौन सा रिश्ता किसे बर्बाद कर दे। इससे पहले कूरियर के माध्यम से भी नशा वितरित होता रहा है। अब तो बस किसी जांच में बस छूने भर की देरी है, खबर यह आती है कि चिट्टे के पहाड़ पर हर कोई चढ़ने की फिराक में है। अकसर पर्यटकों की वेशभूषा में चिट्टे की दलाली सामने आ रही है, तो इनके बिक्री के अड्डों पर सफेदपोश हवन कर रहे हैं। यानी चिट्टा सप्लाई और पुलिस प्रबंधों के बीच अभी खाई चौड़ी है। बेशक इस मामले में पुलिस को जहां होना चाहिए था, वहां थी, लेकिन हर वक्त ऐसी चौकसी की दरकार है। नशे के खिलाफ टास्क फोर्स की जरूरत है, जो अंधे रास्तों की सजग प्रहरी बने। हिमाचल में कुछ पुलिस जिला बढ़े हैं, लेकिन सीमांत क्षेत्रों की निगरानी का प्रबंध अभी पूरा नहीं हुआ है। नशे की खेप का सीधा ताल्लुक परिवहन से है और इसलिए डे-नाइट पैट्रोलिंग की व्यवस्था करनी पड़ेगी। पुलिस जहां चाहिए, वहां होनी चाहिए।

मुख्य रेलवे स्टेशन बारिश में पूरी तरह हो जाएगा जमींदोज, यात्रियों की बढ़ेगी परेशानी

इंदौर। उज्जैन सिंहस्थ-2028 को देखते हुए रेलवे द्वारा रतलाम मंडल अंतर्गत इंदौर के मुख्य रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य किया जा रहा है। सिंहस्थ से पहले एयरपोर्ट की तर्ज पर रेलवे स्टेशन नया एवं भव्य आकार लेगा, लेकिन निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है। वर्षाकाल के दौरान ही वर्तमान रेलवे स्टेशन भवन को जमींदोज करने का काम होगा। जिससे यात्रियों की परेशानियां बढ़ेगी।

प्लेटफार्म एक पर स्टेशन परिसर में प्रवेश करते ही पार्सल कार्यालय के पास वाले हिस्से में काम चल रहा है। इससे यात्रियों को आवागमन में दिक्कत हो रही है। स्टेशन से कुल 23 कार्यालय स्थानांतरित होंगे। यात्रियों को ये पता करने में भी परेशानी का सामना करना होगा कि कौन-सा कार्यालय कहां पर स्थानांतरित हुआ है। पटेल ब्रिज की तरफ पार्सल कार्यालय के पास पिछले आठ महीने से खोदाई जारी है। अब तक सिर्फ वाटर प्रूफिंग का काम पूरा हुआ है। वहीं, लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन को जनवरी 2026 में पूरी क्षमता के साथ शुरू करने का रेलवे अधिकारियों ने दावा किया था, लेकिन यहां भी निर्माण कार्य अधूरा है। इसको पूरा होने में लगभग छह महीने और लगेंगे। उधर, इंदौर-धार, इंदौर-खंडवा, इंदौर-मनमाड़ और इंदौर-बुधनी रेल परियोजनाओं के काम भी धीमी गति से चल रहे हैं।

यात्रियों के लिए आवागमन होगा बंद- मोंटे कार्लो लिमिटेड कंपनी को 412 करोड़ रुपये की लागत से मुख्य रेलवे स्टेशन पर जी-प्लस सेवन भवन का निर्माण कार्य 42 महीने में पूरा करना है। इसमें मल्टीलेवल पार्किंग, यात्री प्रतीक्षालय कक्ष, हाईटेक प्लेटफार्म और अन्य सुविधाएं रहेंगी। पार्सल कार्यालय के पास वाटर प्रूफिंग का काम पूरा हो गया है। यह काम सबसे महत्वपूर्ण था, इसलिए समय लगा।

बिल्डिंग फाउंडेशन का काम शुरू हो चुका है। जल्द ही पार्सल कार्यालय के पास फुटओवर ब्रिज (एफओबी) को तोड़कर आगे के हिस्से में काम शुरू होगा। वर्तमान स्टेशन से यात्रियों के लिए आवागमन पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। यात्रियों को आवागमन जीआरपी थाने के पास बने एफओबी से करना होगा। यात्रियों की भीड़ बढ़ने से एक ही एफओबी से आवागमन में बहुत परेशानियां आएंगी।

खासकर बुजुर्ग महिला-पुरुष, दिव्यांगों, गर्भवती और छोटे बच्चों को ज्यादा परेशानी होगी। वर्षाकाल में पैर फिसलकर गिरने का खतरा भी ज्यादा होगा। उधर, कान्ट्रेक्टर कंपनी का कहना है स्टेशन बिल्डिंग हैंडओवर होने के बाद ही काम में तेजी आएगी। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि भवन की शिफ्टिंग की तैयारी अंतिम चरण में है। अगले एक महीने में प्लेटफार्म-एक से शिफ्टिंग हो जाएगी। फिर डिस्मेंटल और आगे के काम के लिए हिस्सा दे दिया जाएगा।

ये काम हो चुके- पार्सल कार्यालय का स्थानांतरण।

दोपहिया पार्किंग एक नंबर. प्लेटफार्म सामने बना।

कुली कक्ष स्थानांतरित किया।

आरपीएफ थाना, मुख्य टीसी कार्यालय प्लेटफार्म नंबर चार पर स्थानांतरित किया।

डिप्टी एसएस कमर्शियल का कार्यालय प्लेटफार्म नंबर चार पर स्थानांतरित किया।

अगले महीने तक होने हैं ये काम - प्लेटफार्म नंबर एक टूटेगा। ऐसे में यात्रियों की दिक्कतें बढ़ेंगी।

जीआरपी थाना वर्तमान में बने अस्थायी पार्सल कार्यालय के पास स्थानांतरित होगा।

पूछताछ कार्यालय प्लेटफार्म नंबर चार पर स्थानांतरित होगा।

पीआरओ कार्यालय आरक्षण कार्यालय के पास स्थानांतरित होगा।

आईआरसीटीसी कार्यालय भी आरक्षण कार्यालय के पास स्थानांतरित होगा।

लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन

वर्तमान लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन के नए भवन में 12 जून से काम शुरू होगा। स्टेशन मास्टर कार्यालय स्थानांतरित हो रहा है। फिर पुराने स्टेशन भवन को जमींदोज किया जाएगा। अगले दो से तीन महीने में इस हिस्से में पटरी बिछाने व प्लेटफार्म बनाने का निर्माण होगा।

निर्माण कार्य में लेटलतीफी का खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार 12 मीटर चौड़ा एफओबी का काम चल रहा है, जो अगस्त तक पूरा होगा। यहां पर कुल पांच प्लेटफार्म हो जाएंगे।

मालवा और आदिवासी अंचल की बहुप्रतीक्षित इंदौर-दाहोद रेल परियोजना शिलान्यास के लगभग 18 वर्ष बाद भी अधूरी है। आठ फरवरी 2008 को शुरू हुई महत्वाकांक्षी परियोजना की कुल लंबाई 204.76 किमी है। मात्र 45 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हुआ है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार परियोजना का 32.30 किमी हिस्सा वर्तमान में संचालित हो रहा है। इंदौर-टीही (21 किमी) व गुजरात क्षेत्र का कटवारा-दाहोद (11.30 किमी) खंड शामिल है।

टीचर से अफसर बना था लक्ष्मी नारायण कंडवाल, अब करोड़ों की संपत्ति पर सवाल

इंदौर। आय से अधिक संपत्ति के मामले में लोकायुक्त की कार्रवाई का सामना कर रहे महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक लक्ष्मी नारायण कंडवाल का सरकारी सेवा का सफर करीब चार दशक पुराना है। वर्ष 1986 में ग्राम सुनाला के माध्यमिक विद्यालय में सहायक शिक्षक के रूप में नौकरी शुरू करने वाला कंडवाल बाद में महिला एवं बाल विकास विभाग में विभिन्न पदों पर पदोन्नत होते हुए संयुक्त संचालक बना।

अब लोकायुक्त जांच में उसके और परिजनों के नाम पर करोड़ों रुपये की संपत्ति सामने आने का दावा किया गया है। लोकायुक्त एसपी डॉ. राजेश सहाय के अनुसार, बुधवार को हुई छापामार कार्रवाई के दौरान कंडवाल के निवास और अन्य ठिकानों की करीब पांच घंटे तक तलाशी ली गई। इस दौरान संपत्तियों, निवेश और बैंक लाकर से संबंधित जानकारी जुटाई गई। जांच में कंडवाल की पत्नी शारदा, पुत्रवधु तनु निनामा और हर्षिता के नाम पर भी संपत्तियों और निवेश से जुड़े दस्तावेज सामने आए हैं, जिनकी पड़ताल की जा रही है।

अधिकारियों के अनुसार कंडवाल के पुत्र अभिषेक और पवन एक सुपर मार्केट का संचालन करते हैं। जांच में इस व्यवसाय में करीब 35.73 लाख रुपये के निवेश की जानकारी मिली है। लोकायुक्त टीम अब परिजनों के नाम पर खरीदी गई संपत्तियों और निवेश के स्रोतों की भी जांच कर रही है।

सहायक शिक्षक से संयुक्त संचालक तक

1986 = ग्राम सुनाला के माध्यमिक विद्यालय में सहायक शिक्षक के रूप में पहली नियुक्ति।

1989 = शिक्षा विभाग की नौकरी छोड़कर एलआइसी में सहायक बना।

1996 = एलआइसी से त्यागपत्र देकर रामा (झाबुआ) में परियोजना अधिकारी (महिला एवं बाल विकास) बना।

2003 = महिला एवं बाल विकास अधिकारी के पद पर पदोन्नति, नीमच में पदस्थापना।

2008 = जिला कार्यक्रम अधिकारी बने, 2013 तक खरगोन में सेवाएं दीं।

2013 = संयुक्त संचालक पद पर पदोन्नति के बाद भोपाल में पदस्थापना।

2013-2018 = रीवा में पदस्थ रहा।

2018-2020 = जबलपुर में संयुक्त संचालक के रूप में कार्य किया।

2021-2024 = उज्जैन संभाग में संयुक्त संचालक रहा।

जून 2025 = इंदौर में संयुक्त संचालक के रूप में पदस्थापना हुई।

जांच के प्रमुख बिंदु-

परिजनों के नाम पर संपत्तियों और निवेश के दस्तावेज मिले।

बेटों द्वारा संचालित सुपर मार्केट में 35.73 लाख रुपये का निवेश सामने आया।

बैंक लाकर और अन्य वित्तीय दस्तावेजों की जानकारी जुटाई गई।

लोकायुक्त टीम संपत्तियों के स्रोत और निवेश के वित्तीय लेन-देन की जांच कर रही है।

महिला सुरक्षा एवं गुमशुदा बालिकाओं की शीघ्र बरामदगी के लिए मध्यप्रदेश पुलिस के प्रयासों की राज्य महिला आयोग ने की सराहना

भोपाल। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा यादव एवं सदस्य सुश्री साधना स्थापक ने पुलिस मुख्यालय, भोपाल में पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा से महिला सुरक्षा, महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम, गुमशुदा बालिकाओं की खोज एवं बरामदगी तथा पीड़ित सहायता से संबंधित विषयों पर चर्चा की।

बैठक के दौरान राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष एवं सदस्य ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा तथा गुमशुदा बालिकाओं की बरामदगी के संबंध में मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने महिला एवं बालिका संबंधी अपराधों में प्रभावी कार्रवाई तथा संवेदनशील पुलिसिंग को और सुदृढ़ किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने बताया कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा मध्यप्रदेश पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है। गुमशुदा नाबालिग बालिकाओं के प्रत्येक प्रकरण में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। आधुनिक तकनीक, साइबर विश्लेषण, अंतरराज्यीय समन्वय एवं विशेष पुलिस टीमों के माध्यम से गुमशुदा बालिकाओं की खोज एवं सुरक्षित बरामदगी के मामलों में निरंतर सफलता प्राप्त हो रही है।

उन्होंने बताया कि दूरस्थ एवं अंतरराज्यीय गुमशुदगी के मामलों में भी समन्वित प्रयासों के माध्यम से बड़ी संख्या में बालिकाओं की सुरक्षित बरामदगी सुनिश्चित की गई है। महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित मामलों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए प्रदेशभर में सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

बैठक में महिला सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने, पीड़ित सहायता तंत्र को सुदृढ़ करने तथा महिला एवं बालिका संबंधी मामलों में विभिन्न संस्थाओं के मध्य समन्वय बढ़ाने के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में पुलिस मुख्यालय की महिला सुरक्षा शाखा के विशेष पुलिस महानिदेशक (स्थत) श्री अनिल कुमार सहित महिला शाखा के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भूत बावड़ी, जिसका नाम सुन डरते थे लोग; अब वहां पर हुआ जश्न-ए-इंदौर

इंदौर। शहर की ऐतिहासिक बावड़ियों एवं कुओं के संरक्षण, पुनरुद्धार एवं सुंदरीकरण के क्रम में नगर निगम ने सदर बाजार स्थित होलकरकालीन ऐतिहासिक भूत बावड़ी की साफ-सफाई, रंग-रोगन, संरचनात्मक सुधार तथा सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक रेलिंग कार्य कराया। पुनरुद्धार पूर्ण होने के बाद बावड़ी परिसर को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ते हुए यहां विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत भूत बावड़ी परिसर में 'जश्न-ए-इंदौर' नामक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। आयोजन का उद्देश्य शहर की ऐतिहासिक धरोहरों को जनसामान्य से जोड़ना, जल संरचनाओं के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इंदौर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाना था। सामाजिक मूल्यों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया

कार्यक्रम में भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कलाकारों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध किया। इतिहासकार जफर अंसारी ने भूत बावड़ी एवं इंदौर की ऐतिहासिक धरोहरों से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों एवं इतिहास की जानकारी साझा की।

कथक नृत्यांगना वंशिका एवं तान्या ने प्रस्तुतियों से भारतीय शास्त्रीय नृत्य की सुंदरता का प्रदर्शन किया। कवि पलाश ने कविताओं के माध्यम से इंदौर की संस्कृति, विरासत और सामाजिक मूल्यों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

किसी समय नाम से घबराते थे, अब हो रहे आयोजन- किसी समय भूत बावड़ी के नाम से लोग घबराते थे, लेकिन अब इसी बावड़ी में सांस्कृतिक आयोजन हो रहे हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और साहित्यिक अभिव्यक्तियां यहां गूंज सुनाई दे रही हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों, युवाओं, कला प्रेमियों एवं इतिहास में रुचि रखने वालों ने सहभागिता की।

वर्ल्ड चैंपियनशिप्स 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे मध्यप्रदेश के अजय अहिरवार

भोपाल। मध्यप्रदेश के युवा प्रतिभागी अजय अहिरवार ने इंडिया स्किल्स नेशनल कंपीटिशन 2025- 26 में ब्रिक लेइंग स्किल में स्वर्ण पदक प्राप्त कर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन भारत की ओर से वर्ल्ड स्किल्स कंपीटिशन 2026 के लिए हुआ है, यह कंपीटिशन सितंबर 2026 में शंघाई, चीन में आयोजित होगी।

अजय अहिरवार का चयन- ग्लोबल स्किल्स चैलेंज 2026 के लिए भी हुआ है, जिसका आयोजन 23 से 29 जून 2026 तक ऑस्ट्रेलिया में किया जाएगा। प्रतियोगिता में वे भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वर्तमान में अजय अहिरवार कानपुर में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त कर आगामी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे हैं।

अजय की यह उपलब्धि प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। सीमित संसाधनों के बीच अपनी मेहनत, लगन और कौशल के बल पर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अंतर्राष्ट्रीय मंच तक अपनी पहचान बनाई है। उनकी सफलता यह दर्शाती है कि सही प्रशिक्षण, निरंतर अभ्यास और दृढ़ संकल्प के माध्यम से युवा वैश्विक स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं।

अजय की उपलब्धियों और उनकी तैयारी को प्रोत्साहित करने के लिए मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड द्वारा विशेष वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जिससे वे आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारी और अधिक प्रभावी ढंग से कर सकें।

मध्यप्रदेश में कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश के युवाओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन के रूप में सामने आ रहे हैं। राज्य के प्रतिभाशाली युवाओं को प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराकर उन्हें वैश्विक अवसरों से जोड़ने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश में अगले एक साल में उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन लेगा आकार

इंदौर। उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन का प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार हो गई है। इसमें शामिल इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, शाजापुर व रतलाम जिले के तहसील और गांवों का क्षेत्रफल भी निर्धारित हो गया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक इंदौर जिला पूर्ण रूप से मेट्रोपॉलिटन एरिया में शामिल है। वहीं, दूसरे नंबर पर शाजापुर जिले का 90 फीसद हिस्सा है।

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार मेट्रोपालिटन रीजन में 75 लाख आबादी का आकलन किया गया है, जो संभवत- अब बढ़कर 85 से 90 लाख तक पहुंच चुकी है। आइडीए को कंसल्टेंट मेहता एसोसिएट ने प्रारंभिक रिपोर्ट सौंप दी है। अब अगले ढाई माह में मेट्रोपालिटन रीजन की सिचुएशन एनालिसिस रिपोर्ट तैयार की जाएगी और यह राज्य सरकार को भेजी जाएगी।

इस रिपोर्ट में मेट्रोपालिटन रीजन में शामिल छह जिलों के 50 सेक्टर जिसमें

उपलब्ध इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि क्षेत्र, शैक्षणिक संस्थान, औद्योगिक इकाइयां, हरित क्षेत्र, पुलिस, पीएचई विभागों की मौजूदा योजनाओं का आंकलन किया जाएगा। इसके अलावा इन जिलों में प्रस्तावित भविष्य की योजनाओं को भी शामिल किया जाएगा।

तीसरे चरण में तैयार होगा रीजनल डेवलपमेंट एंड इंवेस्टमेंट प्लान- सिचुएशन एनालिसिस रिपोर्ट तैयार होने के बाद अगले छह माह में रीजनल डेवलपमेंट और इंवेस्टमेंट प्लान तैयार किया जाएगा। इसमें विजन के साथ विकास की आगामी क्या रणनीति होगी, उसे शामिल किया जाएगा।

इसमें प्रोजेक्ट का चयन कर चरणबद्ध योजना को तैयार करेंगे। निवेश की योजना के साथ मौजूदा रिसोर्स का उपयोग तय किया जाएगा। इस तरह फाइनल रीजनल डेवलपमेंट एंड इंवेस्टमेंट प्लान का ड्राफ्ट तैयार होगा।

चौथे चरण में प्रोजेक्ट की डीपीआर होगी तैयार- उज्जैन-इंदौर मेट्रोपालिटन रीजन का ड्राफ्ट तैयार होने के बाद इसका टोपोग्राफिक सर्वे और क्षेत्र का चिह्नांकन किया जाएगा। प्रस्तावित प्रोजेक्ट की लागत और दरों का एनालिसिस होगा। प्रत्येक डीपीआर को तैयार किए जाने व उसके सुझाव की प्रक्रिया में पांच माह का समय लगेगा।

उज्जैन-इंदौर मेट्रोपालिटन रीजन

कुल क्षेत्रफल = 16000.87 वर्ग किमी

कुल आबादी = 75.34 लाख

शामिल जिले = छह

शामिल तहसीलें = 38

शामिल गांव = 2781

यूआईएमआर में शामिल शहरी क्षेत्र

35 अर्बन लोकल बाडी

15 सेंसेक्स टाउन (जहां ग्राम पंचायत होती लेकिन यहां जनसंख्या और आर्थिक व्यवस्था शहरी होती हैं।)

4 नगर निगम = इंदौर, उज्जैन, देवास व रतलाम

7 नगर पालिका = तीन उज्जैन, दो धार, दो शाजापुर में

25 नगर पंचायत

1 केन्टोमेंट बोर्ड महू

यूआईएमआर क्षेत्र में प्रस्तावित रोड

इंदौर-भोपाल ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे

इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे

उज्जैन-मक्सी ग्रीन फील्ड कारिडोर

उज्जैन-जावरा ग्रीन फील्ड कारिडोर

पूर्वी एक्सप्रेस बायपास इंदौर

पश्चिमी एक्सप्रेस बायपास इंदौर

यूआईएमआर क्षेत्र में रेल नेटवर्क

ब्राडगेज रूट, दोहरी विद्युत लाइन

नागदा-उज्जैन, उज्जैन-मक्सी, उज्जैन-देवास-डा. अंबेडकर नगर (महू)

ब्राडगेज रूट, एकल विद्युत लाइन

देवास-मक्सी, फतेहाबाद-इंदौर, फतेहाबाद-रतलाम, फतेहाबाद-उज्जैन, राऊ-टीही

मीटर गेज लाइन

डॉ. अंबेडकर नगर (महू)-सनावद (गेज कन्वर्जन कार्य जारी)

प्रस्तावित रेलवे रूट

टीही-धार

धार-दाहोद

धार-जोबट

डॉ. अंबेडकर नगर (महू)- मनमाड़

मांगलिया गांव- बुधनी।

शिक्षा, श्रेष्ठ नागरिक निर्माण का सबसे प्रभावी उपक्रम = मंत्री श्री परमार

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि शिक्षा केवल विषयविद बनाने का साधन नहीं, बल्कि श्रेष्ठ नागरिक निर्माण का सबसे प्रभावी उपक्रम है। शिक्षित और संस्कारित युवा ही विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति हैं।

मंत्री श्री परमार भोपाल स्थित सेज यूनिवर्सिटी परिसर में आयोजित ÷सेज करियर डे-2026÷ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में वर्ष 2024 से 2026 के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित कंपनियों में चयनित 4 हजार 500 से अधिक विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया तथा चयनित विद्यार्थियों का सम्मान किया गया।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि सेज यूनिवर्सिटी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। उन्होंने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे नवाचार, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ आगे बढ़ें तथा अपनी प्रतिभा का उपयोग देश और समाज के विकास में करें। मंत्री श्री परमार ने सभी विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मंत्री श्री परमार ने युवाओं से कहा कि÷ आपने अभी अपने पंख फैलाए हैं, आपकी उड़ान अभी बाकी है। जीवन की प्रत्येक चुनौती आपको और अधिक सशक्त बनाती है।÷ उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और निरंतर सीखने की भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

सेज ग्रुप के डायरेक्टर जनरल डॉ. सर्वेश शुक्ला ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, उद्योग-अकादमिक सहयोग तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। प्रख्यात प्रबंधन गुरु एवं कॉलमिस्ट श्री एन. रघुरामन ने विद्यार्थियों को सफलता के लिए प्रतिबद्धता, मानवीय मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व को जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा दी। सेज ग्रुप की कार्यकारी निदेशक आर्किटेक्ट शिवानी अग्रवाल ने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, कौशल विकास और समय प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बताया गया कि इस वर्ष विद्यार्थियों का चयन आईबीएम, टीसीएस सहित अनेक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों में हुआ है। वर्ष 2024 से 2026 के दौरान 575 से अधिक विद्यार्थियों को 5 से 10 लाख रुपये वार्षिक पैकेज तथा लगभग 50 विद्यार्थियों को 10 से 20 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर नियुक्ति प्राप्त हुई है।

सेज यूनिवर्सिटी के चेयरमैन एवं चांसलर डॉ. संजीव अग्रवाल ने चयनित विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट टीम तथा अभिभावकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। समारोह में प्लेसमेंट प्राप्त विद्यार्थियों के साथ उच्च शिक्षा, शोध एवं उद्यमिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया।

महिलाओं के मुकाबले पुरुषों को ज्यादा है पार्किंसंस का रिस्क, दोनों में लक्षण भी दिखते हैं बिल्कुल अलग

हाल ही में पार्किंसंस रोग को लेकर एक बहुत ही महत्वपूर्ण अध्ययन किया गया है। इस शोध में लगभग 11,000 मरीजों को शामिल किया गया। इस विशाल अध्ययन से एक बेहद अहम जानकारी सामने आई है कि पार्किंसंस की बीमारी पुरुषों और महिलाओं को एक समान नहीं, बल्कि बिल्कुल अलग-अलग तरीके से प्रभावित करती है।

आइए जानते हैं कि इस शोध में पार्किंसंस के लक्षणों और जोखिम कारकों को लेकर क्या-क्या खुलासे हुए हैं।

बीमारी का खतरा किसे ज्यादा है- अध्ययन के आंकड़े बताते हैं कि पार्किंसंस रोग महिलाओं की तुलना में पुरुषों में डेढ़ गुना अधिक पाया जाता है। यही कारण है कि इस सर्वेक्षण में हिस्सा लेने वाले कुल लोगों में से 63 प्रतिशत पुरुष थे। हालांकि, बीमारी का खतरा भले ही पुरुषों को ज्यादा हो, लेकिन यह दोनों वर्गों में अलग-अलग तरह से सामने आती है।

महिलाओं में जल्दी दिखते हैं लक्षण- शोध में उम्र को लेकर एक दिलचस्प अंतर देखने को मिला। भले ही पुरुष इस बीमारी का ज्यादा शिकार होते हैं, लेकिन महिलाओं में इसके लक्षण पुरुषों के मुकाबले थोड़ी कम उम्र में ही नजर आने लगते हैं-

लक्षण शुरू होने की औसत उम्र- महिलाओं में 63.7 वर्ष बनाम पुरुषों में 64.4 वर्ष।

बीमारी की पहचान की औसत उम्र- महिलाओं में 67.6 वर्ष बनाम पुरुषों में 68.1 वर्ष।

किसे होती है क्या परेशानी- इस बीमारी के लक्षण और उनके बढ़ने का तरीका पुरुषों और महिलाओं में काफी अलग पाया गया है। अध्ययन के दौरान मरीजों के अनुभवों के आधार पर निम्नलिखित अंतर स्पष्ट हुए हैं-

महिलाओं में अधिक पाए जाने वाले लक्षण- दर्द की समस्या- 70 प्रतिशत महिलाओं को बीमारी के दौरान दर्द की शिकायत रही, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 63 प्रतिशत था।

गिरने की आशंका- 45 प्रतिशत महिलाओं में शारीरिक संतुलन बिगड़ने या गिरने की समस्या देखी गई, जबकि 41 प्रतिशत पुरुषों ने इसका अनुभव किया।

पुरुषों में अधिक पाए जाने वाले लक्षण- याददाश्त में बदलाव- 67 प्रतिशत पुरुषों को स्मृति से जुड़ी परेशानियां अधिक हुईं, जबकि महिलाओं में यह 61 प्रतिशत पाया गया।

आवेगपूर्ण व्यवहार- यह सबसे बड़ा अंतर था। 56 प्रतिशत पुरुषों में बिना सोचे-समझे अचानक प्रतिक्रिया देने के लक्षण देखे गए, जबकि केवल 19 प्रतिशत महिलाओं में ऐसा पाया गया।

यह अध्ययन हमारे लिए क्यों जरूरी है- इस तरह के विस्तृत अध्ययन पार्किंसंस रोग से जुड़े जोखिम कारकों को गहराई से समझने में हमारी बहुत मदद करते हैं। इनसे यह स्पष्ट हो जाता है कि-

पार्किंसंस की बीमारी हर मरीज के लिए एक अलग अनुभव है।

हर व्यक्ति को एक ही जैसे लक्षण महसूस नहीं होते हैं और न ही उनकी गंभीरता एक समान होती है।

समय के साथ-साथ इस बीमारी के बढ़ने की गति भी हर व्यक्ति में अलग पाई जाती है।

चूंकि हर मरीज की स्थिति और लक्षण अलग होते हैं, इसलिए इस बीमारी का इलाज भी व्यक्ति की स्थिति के अनुसार भिन्न-भिन्न तरीके से किया जाता है।

बेटी, बहू या मां बनने के चक्कर में कहीं खुद को तो नहीं भूल गईं आप? डॉक्टर ने बताया सेहत का असली मंत्र

हमारे समाज में लड़कियों को बचपन से ही यह पाठ पढ़ाया जाता है कि दूसरों की देखभाल करना उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। परिवार और अपनों का ख्याल रखने की इस पूरी प्रक्रिया में महिलाएं अक्सर खुद को भूल जाती हैं और अपनी व्यक्तिगत जरूरतों व सेहत को पूरी तरह से नजरअंदाज कर देती हैं। क्या आप भी खुद को अहमियत देना भूल गई हैं?

लंबे समय तक खुद को अहमियत न देने का अंजाम उनकी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक साबित होता है। अपनी अनदेखी करने से महिलाओं में तनाव, हर वक्त की थकान, नींद पूरी न होने और हार्मोन के बिगड़ने जैसी समस्याएं जन्म लेती हैं। बात सिर्फ यहीं तक नहीं रुकती, बल्कि कई बार यह डिप्रेशन का रूप भी ले लेती है।

इस मानसिक दबाव का सीधा और बुरा असर उनके शरीर पर पड़ता है। इससे उनके शरीर की बीमारियों से लड़ने की ताकत कमजोर होने लगती है और गंभीर बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है।

सेल्फ-केयर स्वार्थ नहीं, सबसे बड़ी जरूरत है- आकाश हेल्थकेयर के मनोचिकित्सा विभाग की एसोसिएट कंसल्टेंट, डॉ. पवित्रा शंकर के अनुसार, यह बेहद जरूरी है कि महिलाएं सेल्फ-केयर को स्वार्थ की नजर से न देखें, बल्कि इसे अपनी एक बड़ी जरूरत समझें। इस समस्या से बचने के लिए महिलाओं को निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना चाहिए-

दिन में कुछ समय केवल अपने लिए निकालना।

एक अच्छा और संतुलित आहार लेना।

नियमित रूप से व्यायाम करना।

अपनी भावनाओं को बिना किसी झिझक के खुलकर व्यक्त करना।

यह समझना सबसे महत्वपूर्ण है कि एक महिला का खुद का स्वस्थ रहना ही सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। जब वह खुद शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत और स्वस्थ रहेगी, केवल तभी वह अपने परिवार और समाज की बेहतरीन तरीके से देखभाल कर पाएगी।

शुभमन गिल के दोस?त को ऑस्ट्रेलिया टीम में मिली जगह, 62 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए तैयार निखिल चौधरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ने दिल्ली में जन्मे और अब तक कोई इंटरनेशनल मैच न खेलने वाले स्पिनर निखिल चौधरी को अपनी टीम में शामिल किया है। ट्रेविस हेड के निजी कारणों से छुट्टी लेने के बाद 30 साल के चौधरी को कंगारू टीम में जगह मिली।

बांग्लादेश के खिलाफ T20I सीरीज के लिए चुने जाने के बाद BBL में होबार्ट हरिकेंस के ऑलराउंडर निखिल 62 सालों में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने वाले भारत में जन्मे पहले खिलाड़ी बन गए हैं। IPL में दिल्ली कैपिटल्स के साथ खेलने के बाद अभी बेल्जियम में EUT20 टूर्नामेंट में ब्रुक्स ब्रुजेस के लिए खेल रहे चौधरी शुक्रवार को ढाका में ऑस्ट्रेलियाई टीम से जुड़ेंगे। अगर निखिल प्लेइंग 11 में चुने जाते हैं तो 1964 में लेग-स्पिनर रेक्स सेलर्स के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले भारत में जन्मे पहले क्रिकेटर बन जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के स्क्वॉड में जोएल डेविस और एरॉन हार्डी जैसे स्पिनर मौजूद हैं। ऑस्ट्रेलियाई सेलेक्टर टोनी डोडेमेड को भरोसा है कि अगर यह बॉलिंग ऑलराउंडर अंतिम 11 में चुने जाते हैं, तो अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

सेलेक्टर ने क्या कहा- डोडेमेड ने कहा, निखिल कुछ समय से नेशनल लेवल पर चर्चा में रहे हैं। वह इस दौरे के लिए स्टैंडबाय खिलाड़ी थे, ब्रिस्बेन में प्री-सीजन कैंप में टीम के साथ जुड़े थे और अब ट्रेविस हेड की जगह टीम में शामिल हो रहे हैं। पैनल उनके BBL फॉर्म, खासकर पिछले सीजन के प्रदर्शन से काफी प्रभावित हुआ है, जिसके चलते उन्हें टीम में शामिल किया गया है। वह इस साल IPL में दिल्ली कैपिटल्स टीम का भी हिस्सा रहे हैं।

भज्जी-गिल के साथ खेले हैं- दिल्ली में जन्मे चौधरी ने पंजाब टीम के लिए हरभजन सिंह, शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ियों के साथ 14 लिमिटेड-ओवर्स मैच खेले हैं और IPL टीम मुंबई इंडियंस के साथ ट्रॉयल भी दिया है। वह क्रीसलैंड में अपने चाचा से मिलने गए थे, तभी कोरोना के कारण इंटरनेशनल बाउंड्री बंद हो गईं। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में ही अपने क्रिकेट करियर को आगे बढ़ाने का फैसला किया।

ऑस्ट्रेलिया का T20I स्क्वॉड- मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, निखिल चौधरी, कूपर कोनोली, टिम डेविड, जोएल डेविस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, एरन हार्डी, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मैथ्यू कुहनेमैन, राइली मेरेडिथ, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, एडम जैम्पा।

सीरीज का शेड्यूल- तीन मैचों की T20I सीरीज के सभी मैच चट्टोग्राम में खेले जाएंगे। जिसका पहला मैच 17 जून को होगा। दूसरा T20I 19 जून को खेला जाएगा, जबकि सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 21 जून को होगा।

घर पर विजयी शुरुआत करने उतरेगा मेक्सिको, पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से होगा सामना

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 का भव्य आगाज शुक्रवार को प्रतिष्ठित एज्टेका स्टेडियम में मेजबान मेक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबले से होगा। यह मैच रात 12:30 बजे से खेला जाएगा। सह मेजबान होने के कारण मेक्सिको पर घरेलू दर्शकों की उम्मीदों का भारी दबाव है और टीम अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ करना चाहेगी। घरेलू मैदान पर किसी भी तरह की चूक पूरे टूर्नामेंट के माहौल को प्रभावित कर सकती है।

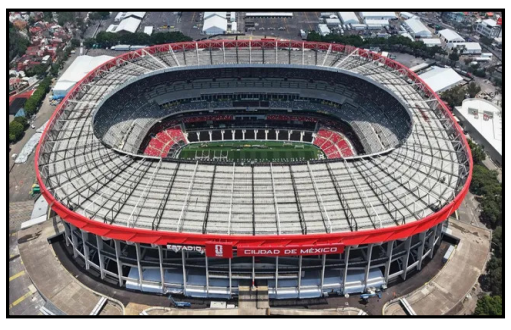

दूसरी ओर 16 साल बाद विश्व कप में वापसी कर रही दक्षिण अफ्रीका के लिए यह मुकाबला खुद को फिर से वैश्विक फुटबॉल मंच पर स्थापित करने का सुनहरा अवसर है। यदि वह मेजबान टीम को हराने में सफल रहती है तो ग्रुप ए की तस्वीर पूरी तरह बदल सकती है और उसके लिए नाकआउट चरण का रास्ता आसान हो सकता है।

दिलचस्प बात यह है कि 2010 विश्व कप के उद्घाटन मुकाबले में भी ये दोनों टीमें आमने-सामने थीं। तब जोहानिसबर्ग में खेला गया मैच 1-1 से बराबरी पर छूटा था और दक्षिण अफ्रीका बाद में गोल अंतर के कारण अगले दौर में जगह बनाने से चूक गया था। मेक्सिको के मुख्य कोच जेवियर अगुइरे अपने तीसरे कार्यकाल में टीम की कमान संभाल रहे हैं।

उन्होंने टीम को मजबूत रक्षात्मक ढांचे, मिडफील्ड में एडसन अल्वारेज की अगुआई और स्ट्राइकर राउल जिमेनेज की गोल करने की क्षमता के इर्द-गिर्द तैयार किया है। एज्टेका स्टेडियम में मौजूद हजारों समर्थक टीम के लिए 12वें खिलाड़ी की भूमिका निभा सकते हैं।

वहीं, कोच ह्यूगो ब्रूस के मार्गदर्शन में दक्षिण अफ्रीका केवल रक्षात्मक रणनीति अपनाने नहीं उतरेगा। अफ्रीकी क्वालीफायर में नाइजीरिया जैसी मजबूत टीम को पीछे छोड़कर विश्व कप में पहुंची इस टीम ने छह मैचों में केवल चार गोल खाए और नौ गोल दागे। लाइल फोस्टर, ओसविन अपोलिस और मिडफील्डर टेबोहो मोक्वेना टीम की सबसे बड़ी ताकत हैं।

ग्रुप ए में आगे कोरिया गणराज्य और चेकिया जैसी टीमों से भी मुकाबले होने हैं। ऐसे में विश्व कप के इस उद्घाटन मैच की जीत किसी भी टीम को शुरुआती बढ़त और आत्मविश्वास प्रदान कर सकती है। फुटबाल प्रेमियों की नजरें अब एज्टेका स्टेडियम पर टिकी हैं, जहां से विश्व कप 2026 की रोमांचक यात्रा शुरू होगी।

पीवी सिंधू ने आसानी से दर्ज की जीत, तन्वी शर्मा ने किया बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू की अगुआई में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने बुधवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में प्रभावी प्रदर्शन किया जबकि तन्वी शर्मा भी उलटफेर करने में सफल रहीं। तीसरी वरीय सिंधू, तन्वी, मालविका बंसोड, ईशारानी बरुआ और तान्या हेमंत सभी ने राउंड आफ 16 में जगह बनाई।

सिंधू ने महिला सिंगल्स के पहले दौर के एकतरफा मुकाबले में पेरू की इनेस लूसिया कास्टिलो सालाजार को सीधे गेम में सिर्फ 32 मिनट में 21-13, 21-11 से हराया। सिंधू अगले दौर में हमवतन ईशारानी से भिड़ेंगी जिन्होंने एक घंटा तीन मिनट चले कड़े मुकाबले में चीन की हान कियान को 22-20, 10-21, 21-14 से शिकस्त दी। दिन का सबसे बड़ा उलटफेर 17 साल की तन्वी ने किया जिन्होंने पांचवीं वरीय और दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी चीनी ताइपे की च्यु पिन चियान को 45 मिनट में 21-12, 22-20 से शिकस्त दी। तन्वी अगले दौर में साथी भारतीय खिलाड़ी मालविका से भिड़ेंगी, जिन्होंने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए थाईलैंड की तोंरुंग सेहेंग को 15-21, 21-7, 21-13 से हराया।

पुरुष सिंगल्स में किरण जॉर्ज को कड़े मुकाबले में मलेशिया के जस्टिन हो के विरुद्ध एक घंटा दो मिनट में 19-21, 21-14, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।

मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव रावत और मनीषा के ने लिन जेडन और विक्टोरिया जोनाडी की स्थानीय जोड़ी को 27 मिनट में 21-13, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

44 साल की सेरेना विलियम्स की चार साल बाद कोर्ट पर शानदार वापसी, तीसरी वरीय जोड़ी को दी मात

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेनिस की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने लगभग चार वर्ष बाद पेशेवर टेनिस में वापसी करते हुए क्वींस क्लब ग्रास कोर्ट प्रतियोगिता में मंगलवार को डबल्स मुकाबले में यादगार जीत दर्ज की। अमेरिकी स्टार ने कनाडा की 19 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया एमबोको के साथ मिलकर अपना पहला मुकाबला जीता।

सेरेना और एमबोको की जोड़ी ने तीसरी वरीयता प्राप्त निकोल मेलिचार-मार्टिनेज और एरिन राउटलिफ की जोड़ी को 7-6 (2), 6-2 से हराया। यह मुकाबला वर्ष 2022 के यूएस ओपन के बाद सेरेना का पहला पेशेवर मैच था। मैच के दौरान सेरेना ने 120 मील प्रति घंटे तक की रफ्तार से सर्विस की और कई दमदार विनर शाट लगाए। मुकाबले का अंत भी उन्होंने दो दो ऐस और एक शानदार सर्विस विनर के साथ शानदार अंदाज में किया।

जीत से खुश सेरेना- जीत के बाद सेरेना ने कोर्ट पर कहा, यह बहुत मजेदार था। विक्टोरिया के साथ खेलकर मुझे बहुत आनंद आया। हमने पहले कभी साथ नहीं खेला, लेकिन कोर्ट पर सब कुछ बहुत स्वाभाविक लगा।

हालांकि, बाद में प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने अपने प्रदर्शन को लेकर विनम्रता दिखाई। उन्होंने मजाकिया अंदाज में खुद को सी माइनस अंक दिए, लेकिन साथ ही कहा कि चार साल बाद सीधे घास के कोर्ट पर लौटना आसान नहीं होता और कुल मिलाकर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा।

सेरेना की वापसी इसलिए भी खास रही, क्योंकि विपक्षी टीम बेहद मजबूत थी। एरिन राउटलिफ दो बार यूएस ओपन डबल्स चैंपियन रह चुकी हैं, जबकि निकोल मेलिचार-मार्टिनेज विंबलडन और यूएस ओपन के डबल्स फाइनल तक पहुंच चुकी हैं।

क्वींस क्लब में दर्शकों ने भी उनका जोरदार स्वागत किया। एंडी मरे एरिना में सेरेना को दिन की सबसे बड़ी तालियां मिलीं। इससे पहले दर्शक ब्रिटेन की एमा राडुकानू और केटी बोल्टर के मुकाबले भी देख चुके थे।

रातों-रात रंगत निखारने का दावा कर सकता है आपकी स्किन बर्बाद, पढ़ें गोरा बनाने वाली क्रीम का काला सच

टीवी और इंटरनेट पर गोरा बनाने वाली क्रीमों के लुभावने विज्ञापन देखकर अक्सर लोग इन्हें खरीद लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रातों-रात रंगत निखारने का दावा करने वाली ये क्रीम आपके चेहरे के लिए एक गंभीर खतरा बन सकती हैं?

हाल ही में इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित 26वें अंतरराष्ट्रीय पिगमेंट सेल सम्मेलन के दौरान त्वचा रोग विशेषज्ञों ने इस खतरे को लेकर सख्त चेतावनी जारी की है। विशेषज्ञों का कहना है कि बिना किसी डॉक्टर की सलाह के स्टेरॉयड युक्त क्रीमों का इस्तेमाल आपकी त्वचा को हमेशा के लिए बर्बाद कर सकता है।

गोरा बनाने वाली क्रीमों का खतरनाक सच

डॉक्टरों के अनुसार, बाजार में आजकल आसानी से और बिना किसी डॉक्टरी पर्चे के मिलने वाली इन क्रीमों में खतरनाक रसायनों का मिश्रण होता है। कई क्रीमों में क्लोबेटासोल, बेटामेथासोन और हाइड्रोक्विनोन जैसे बेहद शक्तिशाली तत्व पाए जाते हैं। लोग बिना किसी विशेषज्ञ की निगरानी के लंबे समय तक इन्हें चेहरे पर लगाते रहते हैं। शुरुआत में भले ही त्वचा साफ, गोरी और चमकदार नजर आए, लेकिन कुछ ही समय बाद इसके बेहद गंभीर दुष्प्रभाव सामने आने लगते हैं, जो त्वचा को स्थायी रूप से नुकसान पहुंचाते हैं।

इन स्टेरॉयड वाली क्रीमों के अनियंत्रित इस्तेमाल से चेहरे की त्वचा सबसे ज्यादा प्रभावित होती है। विशेषज्ञों ने बताया कि इसके कारण त्वचा का पतला होना, चेहरे पर लालपन आना, जलन होना, मुंहासों का तेजी से बढ़ना और गहरे दाग-धब्बे पड़ने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। स्थिति तब और डरावनी हो जाती है जब मरीज स्टेरॉयड डैमेज्ड फेस लेकर अस्पताल पहुंचते हैं। ऐसी स्थिति में मरीज का इलाज काफी लंबा और जटिल हो जाता है।

आजकल लोग सोशल मीडिया के प्रभाव में आकर, दोस्तों की देखा-देखी या फिर सीधे मेडिकल स्टोर वाले की सलाह पर चेहरे की क्रीम खरीदने लगे हैं। विशेषज्ञों ने इस बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए कहा है कि इस लापरवाही के कारण मेलास्मा और हाइपरपिगमेंटेशन जैसी त्वचा की बीमारियां और भी गंभीर रूप ले रही हैं।

त्वचा विशेषज्ञों की स्पष्ट सलाह है कि त्वचा से जुड़ी किसी भी समस्या के लिए खुद अपनी मर्जी से दवा या क्रीम का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अपनी त्वचा के लिए हमेशा एक योग्य त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श लें और उन्हीं की सलाह पर अपना उपचार शुरू करें। यह न केवल सुरक्षित है, बल्कि प्रभावी भी है। आज के समय में इस विषय पर जन-जागरूकता फैलाना बेहद जरूरी है, ताकि लोग गलत क्रीमों के जाल में फंसने से बच सकें और उन्हें सही समय पर सही इलाज मिल सके।

अमेरिकी हमलों के बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई, बहरीन में बजे सायरन; कुवैत ने बंद किया एयरस्पेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव चरम पर पहुंच गया है। एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक, अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने ईरान के भीतर %कई सैन्य ठिकानों% पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए हैं। इस बीच, ईरान द्वारा जवाबी कार्रवाई की धमकी दिए जाने के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। ईरानी हमलों को देखते हुए बहरीन में सायरन बजाकर मिसाइल अलर्ट जारी किया गया है, वहीं कुवैत ने सुरक्षा के लिहाज से अपने एयर डिफेंस सिस्टम (हवाई रक्षा प्रणालियों) को एक्टिव कर दिया है। कुवैती सेना का कहना है कि एयर डिफेंस सिस्टम दुश्मन के हवाई लक्ष्यों को निशाना बना रहे हैं।

18 अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला- ईरानी सेना का दावा- ईरान ने दावा किया है कि उसकी सेनाओं ने जवाबी कार्रवाई करते हुए कुवैत और बहरीन में 18 अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला किया। ईरानी मीडिया के अनुसार इन हमलों में कुवैत के अली अल-सलेम और अहमद अल-जाबेर हवाई अड्डों और बहरीन के शेख ईसा हवाई अड्डे को निशाना बनाया गया। खबरों के मुताबिक, ईरान ने जंजन, तब्रीज और उर्मिया शहरों से जॉर्डन की ओर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

ईरान के हमलों के कारण कुवैत ने अपना एयरस्पेस बंद किया- अमेरिकी हमलों के बाद ईरान जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। ईरान के लगातार हमलों के कारण कुवैत ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। कुवैत के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने यह घोषणा की है।

बहरीन में बजे हवाई हमले के सायरन- ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार, देश के दक्षिणी हिस्से पर अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरानी सेना ने बहरीन में अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट को ड्रोन से निशाना बनाया। ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले करके जवाब दिया। वहीं, बहरीन के गृह मंत्रालय का कहना है कि देश में चेतावनी वाला सायरन फिर से बजाया गया है।

ड्रैगन को भी सताने लगा AI का डर, चीनी सेना ने एआई को बताया सबसे बड़ा खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक, चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने एक हैरान करने वाली चेतावनी जारी की है और यह चेतावनी किसी दुश्मन के बारे में नहीं, बल्कि खुद उनके अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में है।

पीएलए के आधिकारिक अखबार पीएलए डेली में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि युद्धक्षेत्र में एआई का अत्यधिक उपयोग एक अत्यंत खतरनाक समस्या बन सकती है।

लेख के अनुसार कि सैन्य क्षेत्र में एआई का अत्यधिक उपयोग के खतरे रोजमर्रा की जिंदगी से कहीं अधिक हैं, यह युद्ध की संज्ञानात्मक श्रृंखला, कमांड निर्णयों की गुणवत्ता और मानव-मशीन सहयोग की क्षमता को व्यवस्थागत रूप से नष्ट कर सकती है। पीएल डेली के अनुसार, एआई तत्काल किसी निर्णय लेने को लेकर परेशानी पैदा कर सकता है और इसका उपयोग पहले से तय निर्णयों को सही साबित करने के लिए आकलन को विकृत कर सकती है तथा विकल्पों को नजरअंदाज कर सकती है।

सरल शब्दों में कहें तो अगर एक कमांडर किसी गलत रणनीति पर अड़ा है और एआई उसे सही बताता रहे, तो पूरी सेना गलत दिशा में चल पड़ेगी। युद्ध के मैदान में ऐसी गलती हजारों जानें ले सकती है। चीन भले ही एआई हथियारों की दौड़ में सबसे आगे हो, लेकिन बीजिंग ने बार-बार कहा है कि एआई को युद्धक्षेत्र में निर्णय लेने में इंसान की जगह नहीं लेनी चाहिए। पीएलए ने अपने कई मानवरहित हथियार प्लेटफार्मों पर एआई का उपयोग स्वीकार किया है, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि अंतिम निर्णय इंसान का ही होना चाहिए।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिका का नियंत्रण, ईरान से तनाव के बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के साथ बढ़ते सैन्य और राजनयिक तनाव के बीच, अमेरिकी रक्षा मंत्री (युद्ध सचिव) पीट हेगसेथ ने दावा किया है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर पूरी तरह अमेरिका का नियंत्रण है। पीट हेगसेथ का कहना है कि अमेरिकी ऑपरेशन्स ने ईरानी विरोध के बावजूद इस जलमार्ग से वाणिज्यिक जहाजों और कच्चे तेल की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की है।

फ्लोरिडा में अमेरिकी सेंट्रल कमांड मुख्यालय के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए हेगसेथ ने कहा, अमेरिकी सेंट्रल कमांड इस बात से पूरी तरह वाकिफ था कि प्रोजेक्ट फ्रीडम- जिसका उद्देश्य स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जहाजों को सुरक्षित निकालना है- कभी रुका नहीं था, बल्कि यह गुप्त रूप से लगातार चल रहा था।

उन्होंने आगे कहा, राष्ट्रपति की घोषणा के अनुसार, हम होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले उन वाणिज्यिक (व्यापारिक) जहाजों को सुरक्षा दे रहे हैं जो 10 करोड़ बैरल से भी अधिक तेल ले जा रहे हैं। अमेरिका ने आधी रात के अंधेरे में भी सुरक्षा का ऐसा अभेद्य तंत्र तैयार किया है जिसे ईरान न तो देख सकता है और न ही रोक सकता है।

उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिकी नाकाबंदी के कारण ईरान के बंदरगाहों से जुड़े लगभग 140 जहाज रुक गए हैं। हमारी नाकाबंदी अचूक है। हमने कल ही एक और टैंकर को निकलने से रोका है।

हेगसेथ ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट पर हमारी नाकाबंदी अचूक है। हम होर्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक जहाजों को आने-जाने की अनुमति दे रहे हैं, इसलिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर हमारा नियंत्रण है?

हेगसेथ ने आगे कहा कि अमेरिका स्ट्रेट ऑफ होर्मुजको नियंत्रित करता है। हम अपने साझेदारों के साथ तेल और अन्य सामान का परिवहन कर रहे हैं और हफ्तों से ऐसा कर रहे हैं, जिसे ईरानी स्वीकार नहीं करना चाहते। यह एक कड़वी सच्चाई है।

वहीं, ईरान द्वारा मार गिराए गए अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर से जुड़ी घटना के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि पायलट अच्छी स्थिति में है। उन्होंने जिस तरह से उस मिसाइल को गिराया, वह अविश्वसनीय था। यह उन महान अमेरिकियों का उत्कृष्ट कार्य था जो बेहद कुशल हैं।

ओमान के पास जहाज पर हमला- 3 भारतीय लापता, 21 को बचाया गया; अमेरिकी राजनयिक को किया तलब

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओमान के तट के पास एक कमर्शियल जहाज सेटोबेलो पर हुए हमले में 24 भारतीय क्रू मेंबर्स में से अब तक 21 को बचा लिया गया है और 3 भारतीय लापता बताए जा रहे हैं।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हम ओमान के तट पर कमर्शिय जहाज सेटोबेलो पर हुए हमले की निंदा करते हैं। जहाज पर मौजूद 24 भारतीय क्रू मेंबर्स में से अब तक 21 को बचा लिया गया है और 3 भारतीय लापता बताए जा रहे हैं।

हमारा दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा- MEA- MEA ने कहा कि ओमान में हमारा दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और चल रहे खोज और बचाव अभियान में ओमान के अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से तालमेल बिठा रहा है।

ओमान तट के पास भारतीय क्रू वाले जहाज पर हमले के बाद भारत ने दिल्ली में अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को तलब किया है।

जहाजों पर लगातार हो रहे हमले बहुत चिंताजनक- MEA- घटना के बारे में बात करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस इलाके में जहाजों पर लगातार हो रहे हमले बहुत चिंताजनक है और ये इलाके में चल रहे संघर्ष का सीधा नतीजा है। हम तवान को तुरंत कम करने और कूटनीतिक समाधान के लिए चल रही बातचीत को पूरा करने की मांग को दोहराते हैं ताकि इलाके में शांति और स्थिरता लौट सके।

बुनियादी ढ़ांचे को निशाना बनाना बंद होना चाहिए- MEA- इलाके में कमर्शियल जहाजों और आम बुनियादी ढ़ांचे को निशाना बनाना बंद होना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के मुताबिक इलाके के अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों से जहाजों की आवाजाही और व्यापार को बिना रुकावट के जल्द से जल्द बहाल किया जाना चाहिए।

हमारे ग्राहक भारत नहीं US में, 41 हजार करोड़ की कंपनी ने इंडिया से बोरिया बिस्तर समेटा; 250 की नौकरी भी ले गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की रियल एस्टेट टेक्नोलॉजी कंपनी ओपनडोर ने भारत में अपने कारोबार को बंद करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी काज नेजातियन ने घोषणा की है कि भारत में स्थित भूमिकाओं को अब अमेरिका स्थित ग्राहकों के नजदीक स्थानांतरित किया जाएगा। भारत में कार्यरत 250 कर्मचारियों की नौकरी भी चली गई है।

कर्मचारियों को भेजे गए एक संदेश और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की गई पोस्ट में नेजातियन ने कहा कि व्यापक पुनर्गठन योजना के तहत कंपनी ने भारत में अपने सहयोगियों को विदाई देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। Opendoor की मार्केट वैल्यूएशन लगभग 4.32 बिलियन (लगभग 41 हजार करोड़ रुपये) है।

CEO काज नेजातियन ने लिखा, आज हमने भारत में अपने सहयोगियों को अलविदा कहना शुरू किया है क्योंकि हम यहां अपना संचालन बंद कर रहे हैं। हमारे ग्राहक अमेरिका में हैं और हमारा परिचालन कार्य भी वहीं होना चाहिए।

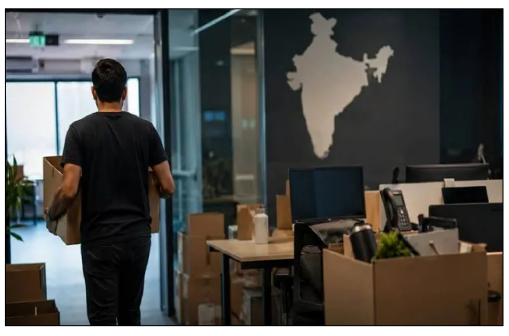

सीईओ के अनुसार, कुछ महीने पहले जब कंपनी ने ओपनडोर 2.0 की शुरुआत की थी, तब भारत में उसके लगभग 250 कर्मचारी कार्यरत थे। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ महीनों के दौरान इनमें से कई भूमिकाओं को पहले ही अमेरिका स्थानांतरित किया जा चुका है और अब शेष पदों को भी ग्राहकों के नजदीक लाने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

इस फैसले का असर भारत में कार्यरत सभी कर्मचारियों पर पड़ेगा। हालांकि, कुछ टीम सदस्य प्रमुख कार्यक्षेत्रों के सुचारू संचालन में सहयोग देने के लिए अस्थायी रूप से बने रहेंगे।

कर्मचारियों को लेकर क्या बोले नेजातियन- नेजातियन ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय भारत स्थित कर्मचारियों के प्रदर्शन से जुड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि यहां के कर्मचारियों ने कंपनी के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने कहा, भारत में हमारे सहयोगी बेहद प्रतिभाशाली और अच्छे लोग हैं। हम उन्हें किसी भी कंपनी के लिए सिफारिश करने में खुशी महसूस करेंगे।

कर्मचारियों को मिलेगा पैसा- उन्होंने यह भी बताया कि प्रभावित कर्मचारियों को सेवा समाप्ति पैकेज, नई नौकरी तलाशने में सहायता और अन्य आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा।

फैसले के पीछे की वजह बताते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि कंपनी का परिचालन कार्य ग्राहकों के करीब रहकर अधिक प्रभावी तरीके से किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि पहले कंपनी ने विभिन्न प्रणालियों और मैनुअल प्रक्रियाओं को संभालने के लिए भारत में बड़ी टीम बनाई थी, लेकिन अब इनमें से कई प्रक्रियाओं को सरल और स्वचालित बना दिया गया है।

नेजातियन के अनुसार, कंपनी ने अपनी विभिन्न प्रणालियों को एकीकृत कर लिया है और अमेरिका में एआई-आधारित छोटी ग्राहक सेवा टीमों का निर्माण किया है, जिससे बड़ी विदेशी परिचालन टीम की आवश्यकता कम हो गई है।

उन्होंने कहा, आज के बाद ओपनडोर 2.0 कर्मचारियों की संख्या के लिहाज से छोटी कंपनी होगी, लेकिन प्रभाव के मामले में कहीं बड़ी होगी।

कंपनी अब प्रक्रियाओं को और सरल बनाने, कई अलग-अलग उपकरणों और मैनुअल कार्यों पर निर्भरता कम करने तथा एक ऐसा एकीकृत मंच तैयार करने की योजना बना रही है, जहां कर्मचारी घर की खरीद, मरम्मत और बिक्री तक की पूरी प्रक्रिया को एक ही स्थान पर ट्रैक कर सकें। कर्मचारियों की संख्या में कटौती के बावजूद नेजातियन ने कहा कि कंपनी की स्थिति मजबूत बनी हुई है और उसकी दीर्घकालिक रणनीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा, भारत में हमारे सहयोगियों ने ओपनडोर को आज जहां तक पहुंचाया है, उसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इसके लिए हम उनके आभारी हैं। अब हमारा लक्ष्य घर खरीदने और बेचने वाले लोगों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

150 रुपये वाले शेयर से बंपर कमाई, मशहूर निवेशक आशीष कचोलिया ने 3 महीने में बना लिए 2 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर मार्केट में दिग्गज इन्वेस्टर्स के निवेश पर लोगों की काफी नजरें रहती हैं। जब भी विजय केडिया, झुनझुनवाला फैमिली और राधाकिशन दमानी समेत टॉप इन्वेस्टर्स, किसी कंपनी के शेयरों में पैसा लगाते हैं तो उस शेयर को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ जाती है। इसी कड़ी में मशहूर निवेशक आशीष कचोलिया ने 150 रुपये वाले शेयरों में बड़ा निवेश कर महज 2 महीने में 2 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

दरअसल, आशीष कोचलिया ने,ष्ट्रष्ठ नाम की कंपनी के शेयरों में इस साल मार्च में बड़ा निवेश किया था और मार्च 2026 तक उनके पास इस कंपनी की 4.29 फीसदी होल्डिंग है।

20 मार्च 2026 को बल्क डील के जरिए आशीष कचोलिया ने Aelea Commodities Ltd के शेयर 7.73 लाख शेयर खरीदे थे। 120.50 रुपये के भाव में खरीदे गए इन शेयरों की कुल वैल्यू 9.32 करोड़ रुपये थी। अब इस कंपनी के शेयरों का भाव 148 रुपये है।

महज 3 महीने के अंदर इस शेयर ने 20 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दे दिया है, और इसके साथ ही 7.73 लाख शेयरों पर प्रति शेयर 27.50 रुपये के मुनाफे की बदौलत आशीष कचोलिया ने 2 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा लिए हैं।

क्या है कंपनी का कारोबार- यह कंपनी मुख्य रूप से काजू की प्रोसेसिंग और कृषि-वस्तुओं के व्यापार का काम करती है। यह अफ़्रीकी देशों से कच्चा काजू आयात करती है, उन्हें प्रोसेस करके अच्छी क्वालिटी की गिरी बनाती है। इसके अलावा, कंपनी चीनी, चावल, प्याज़ व दालों जैसी चीज़ों का व्यापार भी करती है। इस कंपनी का कुल मार्केट कैप 302 करोड़ है। इस कंपनी में बहुत छोटी मात्रा में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी भी है।

वो 5 कमोडिटी फंड, जिन्होंने 1 साल में दिया 110% से ज्यादा का रिटर्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने की रिकॉर्ड तोड़ महंगाई की चर्चा तो हर तरफ है, लेकिन रिटर्न के मामले में असली बाजी किसी और ने ही मार ली है! अगर आप भी अब तक गोल्ड को ही मुनाफे का जरिया मानकर बैठे हैं, तो जरा ठहरिए। सोने के अलावा कमोडिटी मार्केट में एक ऐसी चीज भी है जिसने स्टॉक मार्केट से भी ज्यादा का रिटर्न दिया है।

पिछले एक साल में चांदी ने वो तूफानी रफ्तार पकड़ी है कि निवेशकों की किस्मत रातों-रात बदल गई। बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर आपने फिजिकल चांदी खरीदने और उसे तिजोरी में लॉक करने के झंझट से बचकर, सिर्फ म्यूचुअल फंड के जरिए Silver FoFs (Fund of Funds) में एक छोटा सा भी दांव खेला होता, तो आज आपका पैसा दोगुना से भी ज्यादा हो चुका होता। आइए आज बात करते हैं सिल्वर में पैसा लगाने वाले फंड ऑफ फंड्स की, जिन्होंने 1 साल में 110% से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

कमोडिटी फंड्स की लिस्ट में सबसे पहले निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड है, जिसने 1 साल के लिए 110.11% का सीएजीआर रिटर्न दिया, वहीं दूसरे नंबर पर आदित्य बिड़ला सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड है जिसने 1 साल में 110.83% का सीएजीआर रिटर्न दिया है। इन दोनों फंड का NAV क्रमशः 35.17 और 35.91 है।

मालूम हो कि ये सारे फंड कमोडिटी सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड हैं और इन सभी फंड्स ने 2 साल, 3 साल और 5 साल में अच्छा प्रदर्शन किया है। मान लीजिए आपने निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड में 1 लाख लगाए होते तो, एक साल में 110.11% का सीएजीआर मिलता।

मिडिल ईस्ट टेंशन से फिर सहमा बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी गिरावट के साथ बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 0.20% या 150.63 अंक गिरकर 73832.55 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला निफ्टी 0.23% या 53.35 अंक गिरकर 23161.60 के स्तर पर बंद हुआ। आज शेयर बाजार में आई इस गिरावट के पीछे की वजह वेस्ट एशिया में बढ़ता तनाव और अमेरिका में महंगाई के आंकड़ों में तेज उछाल रहा। इन कारणों से ग्लोबल इक्विटी मार्केट में जोखिम से बचने का माहौल बन गया।

दिन की शुरुआत में, सेंसेक्स 411.16 अंक या 0.55 प्रतिशत बढ़कर 74,394.34 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 112.5 अंक या 0.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,327.45 पर पहुंच गया था।

किन सेक्टर्स में तेजी और किसमें गिरावट- सेक्टर्स की बात करें तो प्राइवेट बैंक, मीडिया और फार्मा में 0.5-2 प्रतिशत की बढ़त हुई, जबकि IT इंडेक्स में 1.4% की गिरावट आई। PSU बैंक, रियल्टी, एनर्जी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में से प्रत्येक में 0.5% की गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी पर सबसे अधिक बढ़त वाले शेयरों में ICICI बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, M&M और JSW स्टील शामिल रहे, जबकि गिरावट वाले शेयरों में इन्फोसिस, HCL टेक, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस और एटरनल शामिल रहे।

BSE पर ट्रेडिंग के आखिर में, कुल 4,389 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1,399 शेयरों में बढ़त हुई, 2,785 में गिरावट आई और 205 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। 77 शेयरों ने अपने 52-हफ्ते के उच्चतम स्तर को छुआ, जबकि 119 शेयरों ने अपने 52-हफ्ते के निचले स्तर को छुआ। कुल 149 शेयरों ने अपर सर्किट को छुआ, जबकि 192 शेयरों ने लोअर सर्किट को छुआ।

शेयर बाजार में आई गिरावट के पीछे मुख्य वजह ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती टेंशन है। अमेरिका ने ईरान में कई ठिकानों पर नए हमले किए। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर कोई शांति समझौता नहीं हुआ, तो और भी हमले किए जाएंगे।

इसके अलावा ग्लोबल ऑयल बेंचमार्क, ब्रेंट क्रूड 1.7 प्रतिशत बढ़कर 94.68 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा था। और स्नद्धद्धह्य का भारत के शेयर बाजार में बिकवाली का दौर जारी है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 2,124.98 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

क्या बोले एक्सपर्ट- जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड, विनोद नायर ने कहा- हाल ही में स्-ईरान के बीच तनाव बढ़ने के बावजूद, तेल की कीमतें कम होने और गिरावट पर खरीदारी के कारण घरेलू बाजारों में थोड़ी रिकवरी देखी गई। हालांकि, कमजोर होते ग्लोबल माहौल के कारण यह रिकवरी ज्यादा देर तक नहीं टिक पाई। ग्लोबल संकेत मिले-जुले रहे और प्रमुख सेंट्रल बैंक सख्त रुख अपनाए हुए हैं। ECB द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की उम्मीद ने लिक्विडिटी कम होने और उभरते बाजारों में फंड के प्रवाह पर इसके संभावित असर को लेकर चिंताएं और बढ़ा दी हैं।

पंक्ति के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है - विधायक मनोज चौधरी

देवास। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के अन्तर्गत छूटे हुये पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए 12 से 18 जून 2026 तक प्रत्येक विकासखण्ड एवं नगरीय निकाय मुख्यालयों पर 03 दिवसीय 'जनकल्याण शिविर' का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत देवास में विकास खंडस्तरीय जन कल्याण शिविर का आयोजन कृषि उपज मंडी प्रांगण में हुआ। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी के लिए स्टॉल लगाए गए। विधायक श्री मनोज चौधरी, कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ

श्रीमती ज्योति शर्मा सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण भी किया।

शिविर में विधायक हाटपीपल्या श्री मनोज चौधरी ने जनकल्याण शिविर को एक पंथ सौ काज की संज्ञा देते हुए कहा है कि इन शिविरों के माध्यम से शासन के सभी विभागों की योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को एक ही स्थान पर मिल रहा है। इससे नागरिकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरगामी सोच का ही परिणाम है, जिसके तहत पंक्ति के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। शिविरों में सभी विभागों के अधिकारी एक ही जगह उपस्थित होकर नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण कर रहे हैं।

विधायक श्री मनोज चौधरी ने जैविक खेती के फायदों से अवगत कराया और रासायनिक खादों से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गोबर की खाद का उपयोग करके भी पौष्टिक अनाज का उत्तम उत्पादन किया जा सकता है।

विधायक श्री चौधरी ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि जनकल्याणकारी शिविरों की जानकारी गांव-गांव के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाएं, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं का लाभ लेने से वंचित न रह सके। प्रदेश सरकार आपके साथ खड़ी है। सभी पात्र नागरिकों को केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ दिया जायेगा।

कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने कहा कि अंतिम छोर पर बैठे पात्र नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना और उनकी समस्याओं का मौके पर ही त्वरित निराकरण करना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य के साथ जिले में 12 से 18 जून तक विशेष जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज देवास में तीन दिवसीय विकासखंड स्तरीय शिविर का शुभारंभ किया गया।

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य उन पात्र नागरिकों को लाभान्वित करना है, जो किन्हीं कारणों से अब तक योजनाओं के लाभ से वंचित रह गए थे। शिविर स्थल पर सभी शासकीय विभागों द्वारा हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी और सहायता के लिए विशेष स्टॉल लगाए गए हैं, जहाँ नागरिक अपनी समस्याओं का तत्काल निराकरण करा सकते हैं।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिले के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। उन्होंने जिले के सभी शिक्षित एवं कुशल युवाओं से अपील की है कि वे देवास जॉब पोर्टल पर अपना पंजीयन अनिवार्य रूप से कराएं, जिससे उन्हें योग्यता के अनुसार रोजगार प्राप्त करने में आसानी हो। उन्होंने बताया कि आगामी समय में जिले में गारमेंट फील्ड की एक बहुत बड़ी कंपनी आ रही है, जिससे स्थानीय स्तर पर बड़ी संख्या में महिलाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के किसान भाइयों से रासायनिक खाद के स्थान पर जैविक खेती अपनाने का आग्रह किया और जैविक खेती के लाभों की जानकारी भी दी। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि आगामी 15 जून से नए शैक्षणिक सत्र के लिए स्कूल प्रारंभ हो रहे हैं। सभी अभिभावक अपने बालक-बालिकाओं को स्कूल अवश्य भेंजे। शासन द्वारा बालिकाओं की उच्च शिक्षा के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका लाभ उठाकर आज बेटियां हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने नौनिहालों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए समय-समय पर बच्चों का अनिवार्य रूप से टीकाकरण कराने की भी अपील की।

7 साल की बच्ची के चेहरे पर लौटी मुस्कान, डॉक्टरों ने पसली की हड्डी से बनाया नया कान

देवास। जन्म से ही एक कान के बिना पैदा हुई 7 वर्षीय मासूम बच्ची को अब नई पहचान और नया आत्मविश्वास मिला है। अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल देवास के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने एक बेहद जटिल सर्जरी के माध्यम से बच्ची का नया कान बनाकर चिकित्सा क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

संस्थान के सुप्रसिद्ध प्लास्टिक सर्जन डॉ. राहुल यादव ने बताया कि यह जन्मजात कान की विकृति, जिसे चिकित्सा विज्ञान में माइक्रोटिया कहा जाता है, का एक अत्यंत जटिल मामला था। हमारी टीम ने बच्ची की छाती की पसली (रिब कार्टिलेज) से ऊतक (टिश्यू) लेकर नया कान तैयार किया और सफलतापूर्वक उसका पुनर्निर्माण किया। आधुनिक तकनीक और अनुभवी सर्जनों डॉ.राहुल यादव, डॉ. अर्पिता , डॉ. अरविन्द , डॉ. दीक्षा, डॉ .राजा के बेहतरीन टीमवर्क से की गई यह सर्जरी पूरी तरह सफल रही है. डॉ. द्वारा बताया गया कान का पुनर्निर्माण एक लंबी और धैर्यपूर्ण प्रक्रिया है। यह पूरी प्रक्रिया कुल तीन चरणो में संपन्न होगी, जिसमें लगभग एक वर्ष का समय लगेगा। पहले चरण में पसली की हड्डी से कान का ढांचा तैयार कर उसे प्रत्यारोपित किया गया है। अगले चरणों में कान की बनावट को और अधिक प्राकृतिक रूप और गहराई दी जाएगी।

अमलतास अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत उन्हें एक भी रुपया खर्च नहीं करना पड़ा। इतनी बड़ी राहत मिलने पर भावुक परिजनों ने मध्य प्रदेश शासन, केंद्र सरकार और डॉक्टरों की टीम का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी बच्ची को अब एक नई मुस्कान और बेहतर भविष्य मिल गया है। अस्पताल प्रबंधन ने भी इसे चिकित्सा जगत और संस्थान के लिए गर्व का क्षण बताया। इस अभूतपूर्व और ऐतिहासिक सफलता पर अमलतास ग्रुप के चेयरमैन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया एवं प्रबंधन ने डॉक्टरों की पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा, जन्मजात कान विकृति से पीड़ित बच्ची को सफल पुनर्निर्माण सर्जरी के माध्यम से नया जीवन और आत्मविश्वास देना वास्तव में गर्व का विषय है। यह सफलता हमारे संस्थान की उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं, आधुनिक तकनीक और समर्पित डॉक्टरों की कड़ी मेहनत का प्रतीक है। हम भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ समाज को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

9 साल बाद धराया 10 हजार का इनामी गांजा तस्कर

शाजापुर। पुलिस ने गांजे की तस्करी के एक पुराने मामले में पिछले 9 साल से भाग रहे एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया हैं। इस आरोपी पर पुलिस ने 10 हजार रुपए का इनाम भी रखा हुआ था। जो उज्जैन में पहचान छुपाकर रह रहा था। जिस पर एक क्विंटल गांजे की अवैध खरीदी-बिक्री का आरोप है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पकड़े गए आरोपी का नाम राजेश शर्मा है जो मोहनलाल शर्मा का बेटा है। वह मूल रूप से शाजापुर जिले के कालापीपल इलाके के चाकरोद गांव का रहने वाला है। लेकिन पुलिस से बचने के लिए वह लंबे समय से अपनी पहचान छुपाकर उज्जैन की साईबाग कालोनी में रह रहा था, जहां पुलिस ने घेराबंदी करके उसे पकड़ लिया।

एक क्विंटल गांजे की हेराफेरी का है आरोप- जानकारी के अनुसार राजेश शर्मा के खिलाफ सुनेरा थाने में साल 2017 में गांजा तस्करी का केस दर्ज हुआ था। यह पूरा मामला करीब एक क्विंटल यानी 100 किलो गांजे की अवैध खरीद-बिक्री से जुड़ा था। इस कार्रवाई के बाद से ही राजेश गिरफ्तारी के डर से भागा-भागा फिर रहा था, जिसके बाद पुलिस ने उस पर 10 हजार रुपए का इनाम रख दिया था। पिछले करीब 9 साल से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहे इस इनामी तस्कर को पकड़ने के बाद सुनेरा पुलिस ने उसे शाजापुर कोर्ट में पेश किया। पुलिस ने इस धंधे से जुड़े बाकी लोगों का पता लगाने और कड़ी पूछताछ के लिए कोर्ट से आरोपी की मांग की थी। कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए राजेश शर्मा को पूछताछ के लिए पुलिस की कस्टडी में भेज दिया है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी अंकित मुकाती, उप निरीक्षक लकड़ा, प्रधान आरक्षक अनिल यादव तथा आरक्षक राजकुमार, पुष्पेंद्र, रूपेंद्र पाल सिंह, मनोज, सुधीर यादव, तरुण यादव, गोविंद और अखिलेश भंडारी का विशेष योगदान रहा।

पहले भी भारी मात्रा में गांजा तस्करी में आ चुका है नाम- पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि राजेश शर्मा कोई नया आरोपी नहीं है, बल्कि वह गांजे की तस्करी का पुराना आरोपी है। उसके खिलाफ पहले भी अलग-अलग जिलों में नशे की तस्करी के केस दर्ज हैं। इससे पहले शाजापुर के कालापीपल थाने में उससे 15 किलो गांजा और नरसिंहपुर जिले के सुआतला इलाके में 1 क्विंटल 6 किलो गांजा पकड़ा जा चुका है।

नन्हे कान्हा को देख झूम उठे श्रद्धालू

शाजापुर। पुरूषोत्तम मास में नगर में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में गवली समाज के पटेल परिवार द्वारा भी श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिदिन श्रद्धालू उपस्थित होकर श्री कृष्ण की लीलाओं का आनंद ले रहे हैं। यहां गुरूवार को भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया।

8 जून से कलश यात्रा से प्रारंभ हुई श्रीमद भागवत कथा में प्रतिदिन कथा वाचक पं. दिनेश नागर धाराखेड़ी वालों के द्वारा कथा में आ रहे श्रद्धालुओं को प्रभु की लीलाओं से परीचित करवाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरूवार को कथा स्थल पर भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। जहां नंद बाबा बने श्रद्धालू जब अपने सिर पर टोकरी में नन्हे कान्हा को लेकर कथा स्थल पहुंचे तो पूरा पांडाल श्री कृष्ण की भक्ति से झूम उठा और भक्तों ने कान्हा जी के जयकारे लगाए। इसके बाद प्रसादी का वितरण किया गया।

आज होगी गोवर्धन पूजा, लगेगा छप्पन भोग- आयोजन समिति के महेश गवली ने जानकारी देते बताया कि श्रीमद् भागवत कथा के दौरान प्रतिदिन उत्सव मनाया जा रहा है। गुरुवार के दिन भी श्रीमद् भागवत कथा के दौरान गोवर्धन पूजा की जाएगी और 56 भोग लगाया जाएगा। इसके साथ ही रविवार के दिन श्रीमद् भागवत कथा का विश्राम होगा। इस दिन नई सड़क गवली समाज धर्मशाला से में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में आकर प्रसादी ग्रहण करने की अपील की है।

मल्हारगढ़ में पुतला दहन, घेराव कर सौंपा ज्ञापन, प्रदर्शन के दौरान पुलिस से हुई नोक-झोंक, वाहन के कांच टूटने से बढ़ा तनाव

मंदसौर। राज्यसभा चुनाव में मन्दसौर की पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में गुरुवार को मल्हारगढ़ में व्यापक जनआंदोलन दे टीखने को मिला। किसान नेता श्यामलाल जोकचंद एवं कमलेश पटेल के नेतृत्व में आयोजित विरोध प्रदर्शन में क्षेत्र भर से किसान, मजदूर, व्यापारी, महिलाएं, युवा और बड़ी संख्या में आमजन शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक व्यवस्था पर हमला बताते हुए सरकार और चुनावी प्रक्रिया के खिलाफ जमकर आक्रोश व्यक्त किया। सुबह से ही आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से लोग मल्हारगढ़ पहुंचने लगे थे। दोपहर तक गाडगिल चौराहा प्रदर्शनकारियों से भर गया। यहां आयोजित सभा में वक्ताओं ने मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने की कड़ी आलोचना करते हुए इसे राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित कदम बताया। सभा के दौरान लोकतंत्र बचाओ, संविधान बचाओ

और निष्पक्ष चुनाव कराओ जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

गाडगिल चौराहे पर फूंका पुतला- विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस का चकमा देकर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और चुनाव आयोग का प्रतीकात्मक पुतला दहन कर दिया । पुतला दहन के समय बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कुछ देर तक खींचतान की स्थिति भी बनी। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक अधिकारों को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि पुलिस प्रशासन स्थिति को नियंत्रित करने में जुटा रहा।

रैली निकालकर पहुंचे एसडीएम कार्यालय- सभा के बाद प्रदर्शनकारियों ने गाडगिल चौराहे से एसडीएम कार्यालय तक विशाल रैली निकाली। रैली में शामिल लोग हाथों में बैनर, तख्तियां और झंडे लिए हुए चल रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने पूरे मार्ग में नारेबाजी करते हुए लोकतंत्र की रक्षा और निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग उठाई। रैली के कारण नगर के प्रमुख मार्गों पर काफी देर तक राजनीतिक माहौल गर्म बना रहा। एसडीएम कार्यालय पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारियों ने कार्यालय का घेराव किया तथा राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा। ज्ञापन में राज्यसभा नामांकन निरस्तीकरण मामले की निष्पक्ष जांच कराने, लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता बनाए रखने तथा चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की गई। संचालन दिनेश कारपेंटर ने किया। इशू धनगर ने आभार माना।

लोकतंत्र पर हमला बताया नामांकन निरस्तीकरण- सभा को संबोधित करते हुए किसान नेता श्यामलाल जोकचंद ने कहा कि देश में लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यसभा चुनाव में एक योग्य, शिक्षित और संघर्षशील महिला नेता को राजनीतिक दबाव के माध्यम से चुनावी प्रक्रिया से बाहर करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज को दबाया जाएगा तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा होगा। उन्होंने कहा कि जनता की आवाज को किसी भी कीमत पर दबाया नहीं जा सकता और लोकतंत्र में सभी को समान अवसर मिलना चाहिए।

भूतेश्वर महादेव मंदिर निर्माण को मिली गति, जमीन व 7 लाख रुपये का दान घोषित नई कार्यकारिणी गठित, भव्य मॉडल व नक्शा प्रस्तुत, 22 जून को होगी अगली बैठक

सिंगोली। भूतेश्वर महादेव मंदिर के भव्य निर्माण को लेकर गुरुवार को मंदिर परिसर में निर्माण समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से मंदिर निर्माण की मुख्य कार्यकारिणी का गठन किया गया तथा बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने जय श्री महाकाल और जय श्री भूतेश्वरनाथ के जयघोष के साथ मंदिर निर्माण का संकल्प लिया। बैठक में मंदिर निर्माण समिति की नई कार्यकारिणी घोषित की गई,

जिसमें महेश तिवारी को अध्यक्ष, सुनील सोनी को उपाध्यक्ष, कमल शर्मा को कोषाध्यक्ष, हंसराज खटीक को सह-कोषाध्यक्ष, राजेश नागोरी को सचिव तथा मदनलाल धाकड़ (फोरु) को सहसचिव बनाया गया। मंदिर निर्माण के लिए श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सहयोग की घोषणा की। राजेश लोहार ने मंदिर से सटी 15म120 फीट भूमि दान देने की घोषणा की। वहीं महेश तिवारी, कमल शर्मा, गोविंद शर्मा, मोतीलाल धाकड़, शंकर लक्ष्यकार, दिनेश ठेकेदार और देवीलाल गुर्जर ने एक-एक लाख रुपये देने की घोषणा की। कन्हैयालाल जंगम ने 151 सीमेंट के बोरे देने का संकल्प लिया। इसके अलावा 21 हजार रुपये की रसीदें भी प्राप्त हुईं। बैठक के दौरान मंदिर का प्रस्तावित भव्य मॉडल और नक्शा भी प्रदर्शित किया गया। प्रस्तावित योजना के अनुसार लगभग 200 फीट लंबे परिसर में 25म15 फीट का मुख्य मंदिर, लिफ्टयुक्त कक्ष, तुलसी क्षेत्र, स्विमिंग पूल सहित बाउंड्री वॉल तथा चारों ओर आकर्षक लैंडस्केप गार्डन विकसित किया जाएगा। मॉडल में दो कुंड, हरियाली से युक्त परिसर और रात्रिकालीन रोशनी की विशेष व्यवस्था दर्शाई गई।

मंदिर निर्माण कार्य को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने के लिए मंदिर निर्माण समिति और चंदा समिति का भी गठन किया गया। बैठक में उपस्थित सर्वसमाज के श्रद्धालुओं ने जमीन पर बैठकर एकजुटता का परिचय दिया तथा विभिन्न प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी प्रदान की। कार्यकारिणी के विस्तार एवं आगामी रणनीति पर चर्चा के लिए अगली बैठक 22 जून 2026 को सायं 7ः15 बजे विवेकानंद बाजार स्थित गौतमालय भवन में आयोजित की जाएगी। बैठक के अंत में सभी श्रद्धालुओं ने मंदिर निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने का संकल्प लिया।

नीमच जिला कृषि एवं उद्यानिकी में रच रहा नए कीर्तिमान

नीमच। नीमच जिले ने कृषि, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में वर्ष 2025-26 की प्रमुख उपलब्धियों से प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (PMFME) - ODOP: वर्ष 2025-26 में जिले को 134 इकाई स्थापना हेतु ऋण स्वीकृति का लक्ष्य प्राप्त हुआ। इसके विरुद्ध 134 प्रकरण स्वीकृत, 119 प्रकरण वितरित कर 119 इकाइयां स्थापित की गईं। 100% ऋण स्वीकृति के साथ नीमच जिला प्रदेश में द्वितीय स्थान पर रहा है। जिले में ODOP योजना अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों द्वारा विश्वकर्मा हाईटेक कृषि फार्म, कन्नौरी, मालवा बाइट्स आदि ब्रांड नेम से अपने उत्पादों को स्थानीय बाजार एवं अमेजन, फ्लिपकार्ट जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से दिल्ली, मुंबई में विक्रय कर लाभ अर्जित किया जा रहा है। उप संचालक उद्यानिकीश्री अतरसिह कन्नौजी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया, कि एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना संरक्षित खेतीः वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में विकासखण्ड-जावद में शेडनेट हाउस का क्लस्टर तैयार कर कुल 41 कृषकों को लाभान्वित करते हुए 1,04,375 वर्गमीटर क्षेत्र में शेडनेट निर्माण कराया गया। इस तकनीक से किसान 2000 वर्ग मीटर में खीरा/शिमला मिर्च की खेती कर 4-5 लाख रुपये लाभ प्राप्त कर रहे हैं। शेडनेट निर्माण लागत 710/- प्रति वर्गमीटर का 50 प्रतिशत (355/- प्रति वर्गमीटर) अनुदान दिया जाता है। संरक्षित खेती के क्लस्टर विकास में नीमच जिला संपूर्ण मध्य प्रदेश में प्रथम स्थान पर है।- सब्जी/मसाला क्षेत्र विस्तारः MIDH/राज्य योजना अंतर्गत लक्ष्य 370.00 हेक्टेयर के विरुद्ध 100त्न पूर्ति कर 530 कृषकों को लाभान्वित किया गया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी मो: 9425379389 द्वारा एमआईजी ए-17/1, वेद नगर, नानाखेडा, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित कर प्रियंका ऑफसेट, 2/10 पिपलीनाका, भैरुगढ रोड, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित, सम्पादक : अभय नरवरिया मो: 9584111186 (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)